डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20-22 E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com RNI-MPHIN/2017/71673

हिन्दी दैनिक

जनलोक मंथन संदेश

समाचार का निचोड़

वर्ष : 09 | अंक : 44 भोपाल, शनिवार, 14 फरवरी 2026 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपय

भवन निर्माण में उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालीन कार्य योजना अपनाये : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भगवान विश्वकर्मा का साक्षात् अवतार हैं इंजीनियर्स मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया भवन विकास निगम के प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम 2.0 पोर्टल लाँच

भोपाल एजेंसी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निर्माण सिर्फ ईंट-पत्थर का संयोजन नहीं, एक अभिनव कला है। इसमें उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक कार्य योजना को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अब हर निर्माण कार्य में कन्सेप्चुअल और क्वालिटेटिव एप्रोच अनिवार्य रूप से दिखाई देना चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए। प्रदेश के विकास के लिए हम सभी को पूरी क्षमता दक्षता से काम करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारियों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभियंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैचारिक प्रतिबद्धता और कार्यशैली में जड़ता से बचने और बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन रखने के लिए कौशल संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। ऐसी कार्यशालाएं अभियंताओं की स्किल्स को रिफ्रेश करती हैं और उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में दीर्घकालिक दृष्टि, नवाचार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पीएम गतिशक्ति योजना के माध्यम से लोक निर्माण विभाग नवाचारों को धरातल पर उतार रहा है। वर्तमान समय में हमारे इंजीनियर्स साक्षात् भगवान विश्वकर्मा के अवतार हैं। लोक निर्माण विभाग ने पिछले 2 वर्षों के कार्यों के आधार पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। इस अवधि में सराहनीय कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता के अंतिम अध्याय में ज्ञान और विज्ञान की बात कही गई है, जिसमें मन, बुद्धि और अहंकार के साथ पंच तत्वों की व्याख्या की गई है। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स की यह कार्यशाला आधुनिक संरचनाओं के निर्माण को गति प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण पहल है। हमारे इंजीनियर्स ने सांदीपनि विद्यालय सहित बड़े-बड़े अधोसंरचनात्मक विकास के निर्माण कार्य किए हैं। सड़क, पुल, स्टेडियम और भवन जैसे निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से ही किये जाते हैं। विभागीय इंजीनियर्स की क्षमता संवर्धन के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण की आवश्यकता भी है।

गोविंद सिंह राजपूत की गरिमामयी उपस्थिति में मंत्री क्रिकेट महाकुंभ का ऐतिहासिक फाइनल संपन्न, रियल स्टार जैसीनगर बना चैंपियन

सागर दिनांक 13 फरवरी 2026

सुरखी विधानसभा क्षेत्र में आयोजित बहुचर्चित मंत्री क्रिकेट महाकुंभ के तीसरे चरण का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला जैसीनगर के गोविंद स्टेडियम में खेल प्रेमियों की भारी मौजूदगी, उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। पूरे क्षेत्र की निगाहें इस महामुकाबले पर टिकी थीं। फाइनल में बांसा क्रिकेट क्लब और रियल स्टार जैसीनगर आमने-सामने थे, जहां रियल स्टार जैसीनगर की टीम ने शानदार खेल, बेहतरीन रणनीति और अदम्य जज़्बे का परिचय देते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। मैदान पर हर गेंद और हर रन के साथ रोमांच चरम पर पहुंचता गया। दर्शकों का उत्साह देखते ही बनता था। खिलाड़ियों ने खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिससे यह मुकाबला लंबे समय तक याद किया जाएगा। फाइनल मुकाबले में दमदार प्रदर्शन करते हुए अनिमेष राजपूत (रियल स्टार जैसीनगर) को मैन ऑफ द मैच तथा बेस्ट बल्लेबाज का सम्मान प्रदान किया गया। वहीं घातक गेंदबाजी के लिए बेस्ट बॉलर का पुरस्कार कुलदीप चांदोनी करैया को मिला। पूरे टूर्नामेंट में निरंतर शानदार खेल दिखाने पर प्लेयर ऑफ द सीरीज का खिताब कुलदीप दुबे (रियल स्टार जैसीनगर) को प्रदान किया गया। पुरस्कारों की घोषणा होते ही मैदान तालियों की गूंज से भर उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि खेल जीवन को दिशा देने का सशक्त माध्यम है। इससे युवाओं में अनुशासन, समर्पण, टीम भावना, संघर्षशीलता और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि सुरखी विधानसभा में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं, जरूरत है उन्हें सही मंच देने की, और मंत्री क्रिकेट महाकुंभ इसी उद्देश्य को लेकर निरंतर आगे बढ़ रहा है। मंत्री राजपूत ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि युवा शक्ति संगठन से जुड़े खिलाड़ियों और कार्यकर्ताओं का आगामी समय में ज्ञानवीर यूनिवर्सिटी के विशाल मंच पर भव्य सम्मान किया जाएगा तथा उन्हें सुनिश्चित उपहार भी दिए जाएंगे। साथ ही वर्ष 2027 में जैसीनगर के बड़े महादेव मंदिर में 10 दिवसीय भव्य महोत्सव आयोजित करने की घोषणा भी की, जिसमें जिले भर के कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस घोषणा से उपस्थित जनसमूह में उत्साह की लहर दौड़ गई। युवा शक्ति के जिला अध्यक्ष आकाश सिंह राजपूत ने कहा कि जैसीनगर की धरती प्रतिभाओं की जन्मभूमि रही है। यहां के युवा यदि लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करें तो वे प्रदेश और देश स्तर पर पहचान बना सकते हैं। संगठन का उद्देश्य गांव-गांव से खिलाड़ियों को आगे लाकर उन्हें बड़े मंच तक पहुंचाना है, और इसके लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। समापन अवसर पर विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार वितरित किए गए। दर्शकों की भारी भीड़, तालियों की गड़गड़ाहट और खिलाड़ियों का जोश इस बात का प्रमाण था कि मंत्री क्रिकेट महाकुंभ अब केवल टूर्नामेंट नहीं, बल्कि क्षेत्र का खेल महापर्व बन चुका है। मंत्री क्रिकेट महाकुंभ का यह फाइनल मुकाबला सुरखी विधानसभा के खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया। इस दौरान शैलेंद्र सिंह राजपूत (शेलू राजा), सोनू राजपूत, हरनाम सिंह, धर्मेंद्र पटेल, बृजेंद्र सिंह, धीरज सिंह, मुन्ना पांडे, रामजी, संदीप सिंह भापेल, सनिल सिंह ठाकुर, निरंजन राजपूत, गजभान सिंह, डब्बू आठिया, सुशांत सिंह राजपूत, आशुतोष, विकास, कमल, रविंद्र, हेमंत, पीयूष तिवारी, आकाश, निलेश, विनोद, मोनू, गोपाल, मोहित मुकदम, राहुल घोषी, अमन गौतम, नीरज पटेल, अनूप दुबे, लक्ष्मण, संजय, नीरज , कुलदीप, मुनिराज, अवधेशठाकुर, राजकुमार सेन, लीलाधर, विशन ठाकुर, विक्रम सिंह राजपूत, छोटू विश्वकर्मा, विजय कोरी,दिवस सोनी, सहित खिलाड़ी युवा शक्ति संगठन के कार्यकर्ता एवं हजारों की संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे

ब्रीफ न्यूज

अब रूस नहीं, अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदेगा भारत

नई दिल्ली। भारत सरकार ने देश की सरकारी तेल रिफाइनरी कंपनियों से कहा है कि वे अब अमेरिका और वेनेजुएला से ज्यादा कच्चा तेल खरीदने पर विचार करें। अमेरिकी मीडिया ने यह दावा किया है। अमेरिका के साथ हुई हालिया ट्रेड डील के बाद भारत सरकार ने यह अनुरोध किया है।

जेल में बंद राजपाल यादव के सपोर्ट में उतरे अभिनेता

नई दिल्ली। नौ करोड़ के चेक बाउंस केस में सरेंडर के बाद से एक्टर राजपाल यादव तिहाड़ जेल में बंद हैं। एक्टर इन दिनों आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। खबर सामने आने के बाद कई बॉलीवुड अभिनेता राजपाल को आर्थिक मदद दे रहे हैं। यादव के मैनेजर ने कहा है कि सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन और डेविड धवन ने आर्थिक सहायता दी है।

गीजर की गैस से पति-पत्नी और बेटे की मौत

सूरत। गुजरात के सूरत में बीती रात पति-पत्नी और बेटे की नींद में ही मौत हो गई थी। तीनों की मौत कार्बन मोनोऑक्साइड गैस से हुई थी। पुलिस की जांच में भी सामने आया है कि घर में लगा गीजर रात भर से चालू था।

अमेरिका ने पाक का इस्तेमाल कर टॉयलेट पेपर की तरह फेंका

रक्षा मंत्री ने कहा साथ देने की कीमत आज भी चुका रहे

- आसिफ बोले-पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा
- पाक में जो आतंकवाद है, वह हमारी गलतियों का नतीजा

एजेंसी ■ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बुधवार को संसद में कहा कि अमेरिका ने अपने फायदे के लिए पाकिस्तान का इस्तेमाल किया और काम निकलने के बाद उसे टॉयलेट पेपर की तरह फेंक दिया। पाकिस्तान रक्षा मंत्री ने कहा-हमने अफगानिस्तान में दो जंग लड़ीं। इसमें इस्लाम और मजहब के नाम पर हिस्सा लिया, लेकिन असल में दो सैन्य तानाशाहों (जिया-उल-हक और परवेज मुशर्रफ) ने वैश्विक ताकत का समर्थन पाने के लिए ऐसा किया। आसिफ ने पाकिस्तान की अमेरिका के साथ 1999 के बाद हुई नई रणनीतिक साझेदारी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद अमेरिका के साथ खड़े होने की कीमत पाकिस्तान आज भी चुका रहा है।

पाकिस्तान का आतंकी इतिहास

आसिफ ने कहा कि पाकिस्तान ने इतिहास से सबक नहीं सीखा और अपने छोटे फायदे के लिए कभी अमेरिका, कभी रूस और कभी ब्रिटेन की ओर झुकता रहा। अब इन देशों का यहां पहले से ज्यादा प्रभाव है, जो 30-40 साल पहले नहीं था। उन्होंने यह भी माना कि पाकिस्तान का आतंकी इतिहास रहा है। आसिफ ने कहा कि आज देश में जो आतंकवाद है, वह हमारी गलतियों का नतीजा है।

दिल्ली में बनेंगे तीन नए मेट्रो कॉरिडोर और 13 नए स्टेशन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में मेट्रो फेज-वी (ए) को स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने जानकारी दी कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत 16 किमी की लंबाई वाले तीन नए कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे, जिनमें 13 मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे। इस पूरी परियोजना की अनुमानित लागत 12,014.91 करोड़ है, जिसमें सरकार का बजटीय हिस्सा 2,940.46 करोड़ तय है। इस परियोजना को वर्ष 2028 में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

फास्टैग अनिवार्य, मार्च-2026 से देश में स्वचालित टोल संग्रह

केंद्र सरकार ला रही नया-ऑटोमैटिक नंबर प्लेट स्कैन सिस्टम

- दूरी के आधार पर टोल राशि ड्राइवर के खाते से काट ली जाएगी
- देशभर में 1,000 से अधिक टोल प्लाजा,कतार से मिलेगा छुटकारा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय एक्सप्रेसवे और राष्ट्रीय राजमार्गों पर ऑटोमैटिक टोल वसूली प्रणाली लागू करने की तैयारी कर रहा है। यह नई व्यवस्था मार्च 2026 से कुछ चुनिंदा मार्गों पर शुरू होने की उम्मीद है। प्रस्तावित सिस्टम के तहत हाईवे पर लगाए गए कैमरे वाहनों की नंबर प्लेट स्कैन करेंगे और तय दूरी के आधार पर टोल राशि सीधे ड्राइवर के खाते से काट ली जाएगी। अभी देश के 1.5 लाख किमी राष्ट्रीय राजमार्ग और एक्सप्रेसवे नेटवर्क में से 45,000 किमी पर टोल वसूला जाता है। देशभर में 1,000 से अधिक टोल प्लाजा हैं, जहां अक्सर लंबी कतारें लग जाती हैं। नई कैमरा-आधारित प्रणाली लागू होने के बाद भी फास्टैग की जरूरत बनी रहेगी। टोल की राशि मौजूदा भुगतान व्यवस्था के जरिए ही कटेगी। टोल पर रुकने की जरूरत कम होगी, लंबी कतारों में कमी आएगी और यात्रा समय घटेगा। हालांकि फास्टैग अनिवार्य बना रहेगा।

राहुल जी! कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ, जो देश को बेच या खरीद सके

लोकसभा में सांसद राहुल गांधी के दावे पर भड़के केंद्रीय मंत्री रिजिजू बोले

- कांग्रेस ने भारत-अमेरिका समझौते को कहा-होल सोल सरेंडर
- रिजिजू ने राहुल के आरोपों को बेबुनियाद बताया और मांगे सबूत
- रविशंकर प्रसाद बोले-राहुल समझ लें मोदी सरकार कभी नहीं झुकेगी
- पीयूष गोयल बोले- सरकार ने किसानों को ध्यान में रखकर ही डील की
- प्रहलाद जोशी बोले- एक कागज के टुकड़े से आरोप साबित नहीं होते
- राहुल बोले- एपस्टीन फाइल्स में हरदीप पुरी और अनिल अंबानी के नाम
- हरदीप सिंह ने एपस्टीन पर कहा- मेरी बातचीत पूरी तरह से प्रोफेशनल थी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिकी ट्रेड को लेकर सरकार पर हमला किया और कहा कि यह डील होल सोल सरेंडर है। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि यह डील बराबरी की शर्त पर नहीं की गई। राहुल गांधी ने संसद में दावा किया कि भारत-अमेरिका की डील में किसानों के हितों की रक्षा नहीं की गई, उन्हें कुचल दिया गया। ऐसा पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी नहीं करेगा। राहुल ने कहा- सरकार को शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया। इस पर भड़के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा-कोई माई का लाल पैदा नहीं हुआ जो देश को बेच या खरीद सके। पीएम मोदी अब तक के सबसे मजबूत प्रधानमंत्री हैं। रिजिजू ने गांधी को टोकते हुए कहा-हम राहुल गांधी को परेशान नहीं कर रहे हैं जब आप बिना किसी सबूत के आरोप और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं, जो मंजूर नहीं है।

अपनी बातों को साबित भी करना होगा

केंद्रीय मंत्री ने कहा- राहुल गांधी ने जो भी आरोप लगाए हैं, चेयर के फैसले के बावजूद, आप विपक्ष के नेता हैं। जब आप कुछ बातों के बारे में बोलते हैं, तो उनके गंभीर मतलब होते हैं। मैं विपक्ष के नेता से आग्रह करूंगा कि वे अपनी सभी बातों को साबित करें।

सरकार राहुल को देगी नोटिस

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, हम सदन को गुमराह करने और बेबुनियाद बयान देने के लिए राहुल गांधी के खिलाफ प्रिविलेज नोटिस फाइल करने जा रहे हैं। लोकसभा और राज्यसभा में प्रोसीजर और कंडक्ट ऑफ बिजनेस के बहुत साफ नियम हैं। जब कोई सदस्य दूसरे सदस्य पर गंभीर आरोप लगाना चाहता है, तो आपको नोटिस देना होगा और आरोप को साबित भी करना होगा।

क्रांतिकारी बदलाव 12वीं की 1 करोड़ कॉपियों का अब होगा ऑनस्क्रीन मूल्यांकन, रिजल्ट में नहीं होगी टोटलिंग की गलती

सीबीएसई 12वीं की अब कंप्यूटर पर जांची जाएंगी कॉपियां

- जांच के समय शिक्षक को नहीं दिखेगा छात्र का नाम, रोल नंबर
- कंप्यूटर खुद करेगा अंकों की गणना, रिजल्ट में होगी सटीकता

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बोर्ड परीक्षाओं के मूल्यांकन में एक बड़ा क्रांतिकारी बदलाव किया है। 17 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक आयोजित होने वाली 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होने वाले 17 लाख छात्रों की कॉपियां अब डिजिटल मोड में जांची जाएंगी। बोर्ड ने निर्णय लिया है कि 1 करोड़ कॉपियों के 32 करोड़ पन्नों का मूल्यांकन ऑनस्क्रीन किया जाएगा। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ऑनस्क्रीन मूल्यांकन की यह व्यवस्था केवल 12वीं कक्षा के लिए लागू की गई है। 10वीं कक्षा के छात्रों की कॉपियों की जांच अभी पुरानी पद्धति से ही की जाएगी।

पारदर्शिता और सटीकता पर सीबीएसई का फोकस

सीबीएसई परीक्षा नियंत्रक के अनुसार, इस कदम से न केवल करोड़ों कॉपियों को एक शहर से दूसरे शहर ले जाने का ट्रांसपोर्ट खर्च बचेगा, बल्कि समय की भी भारी बचत होगी। शिक्षक अपने ही स्कूल की कंप्यूटर लैब में बैठकर कॉपियां जांच सकेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि ऑनस्क्रीन जांच के दौरान छात्र का नाम या रोल नंबर गुप्त रहेगा, जिससे पक्षपात की कोई गुंजाइश नहीं रहेगी।

सात चरणों में होगी मूल्यांकन प्रक्रिया

- **ऑफलाइन परीक्षा:** छात्र हमेशा की तरह परीक्षा केंद्र पर 20, 32 या 40 पेज की उत्तर पुस्तिका पर ऑफलाइन परीक्षा देंगे।
- **हाई-सिक्योरिटी स्कैनिंग:** परीक्षा के बाद कॉपियों को स्कैन कर उनकी डिजिटल इमेज बनाई जाएगी। हर कॉपी को एक यूनिक कोड दिया जाएगा।
- **पोर्टल लॉगइन:** शिक्षकों को ओएएसआईएस आईडी के जरिए ऑनस्क्रीन मार्किंग पोर्टल पर लॉगइन करना होगा, जहां उन्हें आवंटित कॉपियों की संख्या दिखेगी।
- **कॉपी एक्सेस और मार्किंग:** लॉगइन के बाद शिक्षक डिजिटल कॉपी देख सकेंगे। हर प्रश्न के सामने प्राप्तांक भरने के लिए अलग कॉलम होगा।
- **ऑटोमैटिक कैलकुलेशन:** शिक्षकों को सिर्फ हर सवाल के नंबर भरने होंगे, कुल अंकों की गणना कंप्यूटर खुद-ब-खुद कर देगा।
- **ट्रैकिंग और रीचेकिंग:** बोर्ड यह ट्रैक करेगा कि एक शिक्षक ने कॉपी जांचने में कितना समय लिया। जरूरत पड़ने पर सिस्टम के जरिए ही कॉपी रीचेक करवाई जा सकेगी।
- **रिजल्ट डेटाबेस:** जैसे ही कॉपी की जांच पूरी होगी, छात्र के अंकों का डेटा सीधे सीबीएसई के मुख्य रिजल्ट डेटाबेस में सुरक्षित हो जाएगा।

अभिनेता अजय, शाहरुख, अक्षय और टाइगर श्रॉफ हों हाजिर

गुना के बिट्टल की याचिका पर आयोग ने चारों को किया तलब

गुना। मध्य प्रदेश राज्य उपभोक्ता आयोग ने कड़ा रुख अपनाते हुए फिल्म जगत के दिग्गजों और पान मसाला निर्माता कंपनी को कठघरे में खड़ा कर दिया है। दरअसल, गुना के बिट्टल अहिरवार की याचिका पर सुनवाई करते हुए आयोग ने विमल पान मसाला की निर्माता कंपनी जेब इंडस्ट्रीज के साथ-साथ इसके ब्रांड एंबेसडर अभिनेता अजय देवगन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ को नोटिस जारी किया है। साथ ही गुना के रसीला पान भंडार को भी पक्षकार बनाया गया है। आयोग ने पहले इन्हें 20 जनवरी को तलब किया था, लेकिन किसी के उपस्थित नहीं होने पर अब 5 मार्च को पेश होकर जवाब देने का अंतिम आदेश दिया है। दरअसल, बिट्टल ने वकील अनुराग खासकलम के माध्यम से आयोग में अपील एफए/25/1678 दायर की। जिसमें तर्क दिया गया कि-जब असली केसर 4 लाख किलो है, तो 10 के पाउच में इसका दम कैसे आ सकता है।

संपादकीय

घूसखोर पंडित' विवाद और अभिव्यक्ति की कसौटी

मनोज बाजपेयी अभिनीत प्रस्तावित फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपने प्रदर्शन से पहले ही विवादों के घेरे में आ गई है। शीर्षक को लेकर उठे विरोध ने एक बार फिर उस पुराने प्रश्न को सामने ला खड़ा किया है–अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की सीमा क्या है और राज्य की भूमिका कहाँ तक होनी चाहिए? फिल्म की कहानी एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी पर आधारित बताई जा रही है, जिसे लोग 'घूसखोर पंडित' के नाम से जानते हैं। आपत्ति जताने वालों का तर्क है कि यह शीर्षक किसी विशेष जाति को लक्षित करता है और सामाजिक सद्भाव को आहत करता है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए जाने के बाद विवाद ने राजनीतिक रंग भी ले लिया। निर्माताओं का प्रचार सामग्री हटाने पर सहमत होना यह दर्शाता है कि कानूनी प्रक्रिया की आशंका ही कई बार रचनाकारों को पीछे हटने पर मजबूर कर देती है।

भारत का संविधान अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। हालांकि, अनुच्छेद 19(2) राज्य को सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता, नैतिकता और अन्य सीमित आधारों पर उचित पाबंदियां लगाने की अनुमति देता है। न्यायालयों ने समय-समय पर स्पष्ट किया है कि केवल आहत भावनाएं आपराधिक कार्रवाई का पर्याप्त आधार नहीं हो सकतीं, जब तक कि उससे वास्तविक हिंसा या अव्यवस्था का स्पष्ट और निकट खतरा न हो। यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी फिल्म के नाम या थीम को लेकर इतना विवाद उठ खड़ा हुआ है। बॉलीवुड में कई बड़ी फिल्मों को विरोध, कानूनी नोटिस और सेंसरशिप की मांगों के चलते अपना टाइटल बदलना पड़ा हैपिछले वर्षों में 'पद्मावत', 'केरल स्टोरी' और अन्य फिल्मों को लेकर भी इसी तरह के विवाद सामने आए हैं।

(उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'घूसखोर पंडत' नामक फिल्म के निर्माताओं के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने का निर्देश दिया, जो दिखाता है कि सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान के कुछ तबके खुद को पसंद न आने वाली अभिव्यक्तियों के साथ कैसा सलूक करते हैं। आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि यह नाम सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने की कोशिश है और धार्मिक या जातीय भावनाओं को ठेस पहुंचाता है। निर्माता फिल्म की प्रचार सामग्री हटाने को राजी हो गये। अभिव्यक्ति पर विवाद फटाफट पुलिसिया मामला बन गया और आपराधिक प्रक्रिया की धमकी ने, किसी अदालत द्वारा तथ्यों को जांचे जाने से पहले ही, निर्माताओं को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।अक्सर यह देखा गया है कि विरोध और कानूनी दबाव के बीच रचनाकार संशोधन या वापसी का रास्ता चुन लेते हैं। इससे न केवल न्यायालयों को संवैधानिक मानकों की स्पष्ट व्याख्या करने का अवसर कम मिलता है, बल्कि समाज में खुली बहस की परंपरा भी कमजोर पड़ती है। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है। किसी रचना से असहमत होना नागरिक का अधिकार है, परंतु असहमति का उत्तर आपराधिक प्रक्रिया से देना स्वस्थ परंपरा नहीं कही जा सकती। बेहतर यह होगा कि विवादित अभिव्यक्तियों पर न्यायिक परीक्षण हो, कारण दर्ज किए जाएं और यदि आवश्यक हो तो न्यूनतम पाबंदी के उपाय अपनाए जाएं।

कड़वे वचन

अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं मुनिश्री आप इतना चिल्ला चिल्लाकर क्यों बोलते हैं? तब मैं कहता हूं कि भाई तुम्हारे घर में कुत्ता होता है। वह तुम्हारे द्वारा दी गई सूखी रूखी रोटी खाकर रात में जब तुम गहरी नींद में होते हो तो वह भौंक भौंक कर चोरों से तुम्हारे धन की रक्षा करता हैं। फिर मुझ तरुणसागर को तो समाज दोनों तरफ घी लगी रोटियां खिलाता है तो भला मैं क्यों न चिल्लाऊं।

आज का राशिफल

ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांगः-12 फरवरी 2026
दिन-गुरुवार, माह- शुक्ल पक्ष
विक्रम संवत 2082

मेष — अपने कार्यों को व्यवस्थित रूप से करना आपको सफल बनाएगा। उत्साह में वृद्धि होगी

वृष — समाज में मान-सम्मान बना रहेगा। विद्यार्थियों की भविष्य को लेकर चल रही समस्या दूर होगी।

मिथुन — आर्थिक कश्मकश बनी रहेगी। खर्चों पर कटौती करना अति आवश्यक है

कर्क — अपनी योजनाओं को कार्य रूप देने से पहले उस पर सोच-विचार जरूर करें। सतर्क रहे

सिंह — अपने स्वभाव में अहम की भावना न आने दें। कारोबारी गतिविधियों में दिक्कतें रहेंगी।

कन्या — सफलता मिलेगी परंतु अभी और मेहनत की जरूरत है।

तुला — व्यवसायिक संपर्कों को मजबूत करें। किसी राजनीतिज्ञ से मुलाकात लाभदायक साबित होगी।

वृश्चिक — पति-प ी के बीच चल रही गलतफहमी का निवारण होगा। संबंधों में पुनः मधुरता आएगी।

धनु — प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता रहेगी। बदलते वातावरण से सावधान रहना आवश्यक है।

मकर — प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त संबंधी कोई गतिविधि चल रही है तो उससे संबंधित काम हो सकता है।

कुंभ — परिवार में कोई धार्मिक आयोजन की योजना बनेगी। घर की साज सज्जा में समय व्यतीत होगा।

मीन — समस्या का सामंजस्य से समाधान निकालने की जरूरत है। धैर्य और शांति बनाए रखें।

परीक्षा का डर नहीं, आत्मविश्वास का उत्सव जब अपेक्षाओं का बोझ उतरे, तब सीखने की उड़ान शुरू हो

फरवरी-मार्च का नाम आते ही घरों का माहौल बदलने लगता है। वही कमरे, वही मेज, वही किताबें, लेकिन हवा में एक अनकहा तनाव घुल जाता है। रात भर जलती लाइटें, कॉफी या चाय के कप, आंखों में नींद और मन में आशंका यह दृश्य आज असामान्य नहीं रहा। परीक्षा अब केवल ज्ञान की परख नहीं रह गई है, वह बच्चों के मन के लिए एक कसौटी बन चुकी है। जैसे ही तारीखें नजदीक आती हैं, कई बच्चों के पैरों में कंपन, दिल की धड़कन तेज होना और अगर अच्छा नहीं हुआ तो? जैसे सवाल मन पर हावी हो जाते हैं। डर धीरे-धीरे आत्मविश्वास को ढक लेता है और पढ़ा हुआ ज्ञान भी धुंधला पड़ने लगता है।

असल समस्या परीक्षा नहीं है, समस्या वह माहौल है जो परीक्षा के इर्द-गिर्द खड़ा कर दिया गया है। जब परीक्षा को जीवन-मरण का सवाल बना दिया जाता है, तब बच्चा सवाल हल करने से ज्यादा अपने भविष्य को लेकर डरने लगता है। माता-पिता की उम्मीदें, समाज की तुलना और स्कूल का अंक-केंद्रित ढांचा मिलकर बच्चों के कंधों पर ऐसा बोझ रख देते हैं, जिसे उठाना हर किसी के बस की बात नहीं होती। परिणाम यह होता है कि परीक्षा ज्ञान का उत्सव बनने के बजाय भय का कारण बन जाती है।

मनोरोग विशेषज्ञ और शिक्षा मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि अत्यधिक दबाव में शरीर में तनाव हार्मोन बढ़ जाते हैं। इससे नींद प्रभावित होती है, भूख कम हो जाती है और ध्यान भटकने लगता है। बच्चा जितना ज्यादा डरता है, उतना ही उसका प्रदर्शन गिरने की आशंका बढ़ती जाती है। यह एक दुष्चक्र है।डर से प्रदर्शन कमजोर, और कमजोर प्रदर्शन से डर और गहरा। ऐसे में सबसे जरूरी सवाल यह है कि इस डर को कैसे तोड़ा जाए।

डर तोड़ने की शुरुआत सोच बदलने से होती है। बच्चे को यह महसूस कराना जरूरी है कि परीक्षा उसकी काबिलियत का एक पड़ाव है, पूरी पहचान नहीं। जब बच्चा यह समझ लेता है कि एक पेपर उसका भविष्य तय नहीं करता, तब उसके भीतर छुपा आत्मविश्वास धीरे-धीरे बाहर आने लगता है। पढ़ाई का मकसद नंबर जुटाना नहीं, समझ विकसित करना है।यह बात अगर घर और स्कूल दोनों जगह दोहराई जाए, तो आधा डर अपने आप कम हो जाता है।

बच्चों के लिए सबसे पहला और असरदार उपाय है दिनचर्या को संतुलित करना। लगातार घंटों पढ़ने से दिमाग थक जाता है और डर बढ़ता है। छोटे-छोटे अंतराल में पढ़ाई करने से न सिर्फ याददाश्त बेहतर होती है, बल्कि मन भी हल्का रहता है। पर्याप्त नींद लेना कोई विलास नहीं, बल्कि जरूरत है। सात से आठ घंटे की नींद दिमाग को तरोताजा रखती है और परीक्षा के समय घबराहट कम करती है। हल्की शारीरिक गतिविधि जैसे टहलना, स्ट्रेचिंग या योग, शरीर में सकारात्मक रसायन छोड़ती है जो तनाव को काबू में रखते हैं।

डर अक्सर अनिश्चितता से पैदा होता है। अगर सवाल नहीं आया तो?, अगर भूल गया तो? जैसे विचार मन को जकड़ लेते हैं। ऐसे में बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे अपने डर को नाम दें और उससे बात करें। जब डर को मन में दबाने के बजाय स्वीकार किया जाता है, तो उसकी तीव्रता कम होने लगती है। गहरी सांस लेने की सरल तकनीकें, परीक्षा से पहले कुछ मिनट आंखें बंद कर खुद को शांत करना, मन को वर्तमान में लाने में मदद करता है।

अभिभावकों की भूमिका यहां निर्णायक हो जाती है। बच्चे जितना परीक्षा से डरते हैं, उतना ही वे माता-पिता की प्रतिक्रिया से भी डरते हैं। अगर हर बातचीत का अंत अंकों पर हो, तो बच्चा खुद को मशीन समझने लगता है। तुलना बच्चों का आत्मविश्वास सबसे तेजी से तोड़ती है। जब किसी और के बच्चे की सफलता को आदर्श बनाकर पेश किया जाता है, तो संदेश साफ होता है।तुम जैसे हो, वैसे पर्याप्त नहीं हो। इसके उलट, अगर माता-पिता बच्चे की मेहनत को सराहें, उसकी कोशिशों को महत्व दें और असफलता की स्थिति में भी साथ खड़े रहें, तो बच्चा डर के बजाय भरोसे के साथ परीक्षा का सामना करता है।

सुनना भी एक बड़ी दवा है। कई बार बच्चे समाधान नहीं, सिर्फ समझ चाहते हैं। जब वे अपनी घबराहट, थकान या उलझन साझा करते हैं और सामने वाला बिना टोके, बिना उपदेश दिए उनकी बात सुन लेता है, तो मन का बोझ हल्का हो जाता है। घर का माहौल अगर सुरक्षित हो, जहां गलती पर डांट नहीं बल्कि बातचीत हो, तो परीक्षा का डर दरवाजे पर ही दम तोड़ देता है।

शिक्षकों के कंधों पर भी बड़ी जिम्मेदारी है। अगर कक्षा में लगातार यह एहसास दिलाया जाए कि टेस्ट सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, अंतिम फैसला नहीं, तो बच्चों का नजरिया बदल सकता है। अंक के साथ-साथ प्रयास, रचनात्मकता और समझ की सराहना की जाए, तो छात्र खुद को सिर्फ नंबरों में सीमित नहीं मानते। कक्षा शुरू होने से पहले कुछ पल का ध्यान या शांत बैठना, बच्चों की एकाग्रता बढ़ाता है और मन को स्थिर करता है। शिक्षक अगर डर के बजाय भरोसे की भाषा बोलें, तो उसका असर गहरा और स्थायी होता है।

दुनिया के कई देशों ने यह समझ लिया है कि अत्यधिक प्रतिस्पर्धा बच्चों को मजबूत नहीं, कमजोर बनाती है। सहयोग, कौशल और जीवन-उद्देश्य पर आधारित शिक्षा मॉडल यह दिखाते हैं कि जब परीक्षा का दबाव कम होता है, तब सीखने की खुशी बढ़ती है। भारत में भी हाल के वर्षों में यह बहस तेज हुई है कि शिक्षा का लक्ष्य केवल रैंक नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ व्यक्तित्व होना चाहिए। न्यायपालिका तक यह स्वीकार कर चुकी है कि लगातार मानसिक दबाव बच्चों के लिए नुकसानदेह है और संस्थानों को मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी चाहिए।

अंत में, यह समझना जरूरी है कि डर का इलाज डर से नहीं, विश्वास से होता है। जब बच्चे को यह भरोसा मिले कि वह अपने अंकों से बड़ा है, उसकी काबिलियत एक परीक्षा में नहीं समा सकती, तब उसकी रीढ़ सीधी हो जाती है। परीक्षा फिर डर नहीं रहती, वह खुद को परखने और बेहतर बनने का अवसर बन जाती है। अगर हम सब माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर अपेक्षाओं का बोझ थोड़ा हल्का कर दें, तो बच्चे मुस्कान के साथ परीक्षा कक्ष में कदम रखेंगे।

परीक्षा तब उत्सव बनेगी, जब हम उसे सीखने की यात्रा का पड़ाव मानेंगे, मंजिल नहीं। जब बच्चे के मन से भय हटेगा, तब ज्ञान अपने आप खिल उठेगा। यही वह बदलाव है, जिसकी आज सबसे ज्यादा जरूरत है।

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

धर्म, समाज और राष्ट्र की चेतना जगाने वाले स्वामी दयानंद

स्वामी दयानंद सरस्वती जयंती पर विशेष

आर्य समाज के संस्थापक के रूप में वंदनीय महर्षि स्वामी दयानन्द सरस्वती का जन्म गुजरात के टंकारा में 12 फरवरी 1824 को हुआ था और 12 फरवरी को उनकी जयंती मनाई जाएगी। स्वामी दयानंद ऐसे देशभक्त, समाज सुधारक, मार्गदशक और आधुनिक भारत के महान चिंतक थे, जिन्होंने न केवल ब्रिटिश सत्ता से जमकर लोहा लिया बल्कि अपने कार्यों से समाज को नई दिशा और ऊर्जा भी प्रदान की। 1857 की क्रांति में उनका अमूल्य योगदान था। स्वामी दयानंद का बचपन बहुत अच्छा बीता लेकिन उनके जीवन में घटी एक घटना ने उन्हें इस कदर प्रभावित किया कि वे 21 वर्ष की आयु में ही अपना घर बार छो?कर आत्मिक एवं धार्मिक सत्य की तलाश में निकल पड़े और एक सन्यासी बन गए। जीवन में ज्ञान की तलाश में वे स्वामी विरजानंद से मिले, जिन्हें अपना गुरु मानकर उन्होंने मथुरा में वैदिक तथा योग शास्त्रों के साथ ज्ञान की प्राप्ति की। 1845 से 1869 तक कुल 25 वर्षों की अपनी वैराग्य यात्रा में उन्होंने कई प्रकार के दैविक क्रियाकलापों के बीच विभिन्न प्रकार के योगों का भी गहन अभ्यास किया।

देश के स्वतंत्रता संग्राम में स्वामी दयानंद की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण थी और 'स्वराज' का नारा उन्होंने ही दिया था, जिसे बाद में लोकमान्य बालगंगाधर तिलक ने अपनाया और 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा दिया। वेदों का प्रचार-प्रसार करने के साथ-साथ उनकी महत्ता लोगों तक पहुंचाने तथा समझाने के लिए उन्होंने देशभर में भ्रमण किया। जीवनपर्यन्त वेदों, उपनिषदों का पाठ करने वाले स्वामी जी ने पूरी दुनिया को इस ज्ञान से लाभान्वित किया। उनकी किताब 'सत्यार्थ प्रकाश' आज भी दुनियाभर में अनेक लोगों के लिए मार्गदर्शक साबित हो रही है। वेदों को सर्वोच्च मानने वाले स्वामी दयानन्द ने वेदों का प्रमाण देते हुए हिन्दू समाज में फैली कुरीतियों और अंधविश्वासों का डटकर विरोध किया। जातिवाद, बाल विवाह, सती प्रथा जैसी समाज में फैली कुरीतियों को दूर करने में उनका योगदान उल्लेखनीय है, इसीलिए उन्हें 'सन्यासी योद्धा' भी कहा जाता है। दलित उद्धार तथा स्त्रियों की शिक्षा के लिए भी उन्होंने कई आन्दोलन किए। हिन्दू धर्म के अलावा इस्लाम तथा ईसाई धर्म में फैली बुराईयों और

अंधविश्वासों का भी उन्होंने जोरदार खंडन किया। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव कल्याण, धार्मिक कुरीतियों की रोकथाम तथा वैश्विक एकता के प्रति समर्पित कर दिया। वे आध्यात्मिक क्रांति के संदेशवाहक थे।

स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना मुम्बई के गिरगांव में गुड़ी पड़वा के दिन 10 अप्रैल 1875 को की थी, जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य शारीरिक, आत्मिक और सामाजिक उन्नति के साथ समूचे विश्व को एक साथ जोड़ना था। आर्य समाज के द्वारा उन्होंने दस मूल्य सिद्धांतों पर चलने की सलाह दी। मूर्ति पूजा के अलावा वे जाति विवाह, महिलाओं के प्रति असमानता की भावना, मांस के सेवन, पशुओं की बलि देने, मंदिरों में चढ़ावा देने इत्यादि के सख्त खिलाफ थे और इसके लिए उन्होंने लोगों में जागरुकता पैदा करने के अथक प्रयास किए। अपने 59 वर्ष के जीवनकाल में महर्षि दयानंद ने न सिर्फ देश में व्याप्त बुराईयों के खिलाफ लोगों को जागृत किया बल्कि अपने वैदिक ज्ञान से नवीन प्रकाश को भी देशभर में फैलाया। हालांकि कई लोगों ने उनका जमकर विरोध भी किया लेकिन स्वामी दयानंद सरस्वती के तार्किक ज्ञान के समक्ष बड़े-बड़े विद्वानों और पंडितों को भी नतमस्तक होना पड़ा। वे अपने जीवन को पुनर्जन्म, ब्रह्मचर्य, सन्यास तथा कर्म सिद्धांत के चार स्तंभों पर खड़ा मानते थे।

स्वामी दयानंद हिन्दी भाषा के प्रबल समर्थक थे और उनका मत था कि कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पूरे देश में एक ही भाषा 'हिन्दी' बोली जानी चाहिए। मानव शरीर को नश्वर बताते हुए वह कहते थे कि हमें इस शरीर के जरिये केवल एक अवसर मिला है, स्वयं को साबित करने का कि 'मनुष्यता' और 'आत्मविवेक' क्या है। वे कहा करते थे कि शक्ति किसी अलौकिकता या चमत्कारिता के प्रदर्शन के लिए नहीं होती। सभी धर्मों और उनके अनुयायियों को वे एक ही ध्वज तले बैठा देखना चाहते थे। दरअसल उनका मानना था कि आपसी लड़ाई का फायदा सदैव तीसरा उठाता हैं, इसलिए इस भेद को दूर करना आवश्यक है। कर्म करने को लेकर स्वामी जी तर्क देते थे कि काम करने से पहले सोचना बुद्धिमानी, काम करते हुए सोचना सतर्कता और काम करने के बाद सोचना मूर्खता है। वह कहा करते थे कि दुनिया को अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए और तब आपके पास सर्वश्रेष्ठ लौटकर आएगा। उनका कहना था कि अज्ञानी होना गलत नहीं है लेकिन अज्ञानी बने रहना गलत है।

लोकसभा-अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वासः लोकतंत्र की अग्निपरीक्षा

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी लोकतंत्र के लिये एक चिन्ताजनक घटना है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक प्रणाली नहीं, बल्कि निरंतर संवाद, असहमति के सम्मान और संस्थागत विश्वास पर टिकी हुई एक जीवंत परंपरा है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में संसद इस लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहाँ न केवल नीतियाँ बनती हैं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा बोलती है। ऐसे में जब लोकसभा अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पद के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी की खबरें सामने आती हैं, तो यह घटना किसी एक व्यक्ति या दल तक सीमित न रहकर पूरे लोकतांत्रिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न ख?ा कर देती है। विपक्षी दलों द्वारा यह आरोप लगाया जाना कि उन्हें, विशेषकर नेता प्रतिपक्ष को, सदन में बोलने का समुचित अवसर नहीं मिल रहा, और इसी आधार पर अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाना, एक गहरी चिंता का विषय है। यह चिंता इसलिए भी अधिक गंभीर हो जाती है क्योंकि अध्यक्ष का पद परंपरागत रूप से सत्ता और विपक्ष के बीच संतुलन का प्रतीक माना जाता रहा है।

लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका केवल कार्यवाही संचालित करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह सदन की गरिमा, लोकतांत्रिक मर्यादा और सभी पक्षों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी भी निभाते हैं। यदि विपक्ष का एक ब?ा वर्ग यह महसूस करने लगे कि अध्यक्ष का व्यवहार पक्षपातपूर्ण है या उनकी आवाज को व्यवस्थित रूप से दबाया जा रहा है, तो यह केवल राजनीतिक असंतोष नहीं, बल्कि संस्थागत अविश्वास का संकेत होता है। 100 से अधिक सांसदों द्वारा हस्ताक्षर कर अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी यह दर्शाती है कि मामला क्षणिक आक्रोश का नहीं, बल्कि लंबे समय से पनप रही असहमति और संवादहीनता का परिणाम है। लोकसभा अध्यक्ष सदन के संरक्षक की भूमिका में होते हैं, जिनके प्रति विश्वास जरूरी होता है और उनसे भी निष्पक्षता की उम्मीद की जाती है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि संख्या बल के आधार पर इस तरह का प्रस्ताव पारित होना कठिन है, लेकिन लोकतंत्र में कई बार प्रतीकात्मक कदम भी गहरे संदेश देते हैं।

विपक्षी दलों द्वारा यह स्पष्ट करना कि वे टकराव के साथ-साथ सुलह का विकल्प भी खुला रखे हुए हैं, और इसी क्रम में विभिन्न वरिष्ठ नेताओं का अध्यक्ष से मुलाकात कर संवाद का प्रयास करना, इस बात का संकेत है कि अभी भी समाधान की गुंजाइश समाप्त नहीं हुई है। यह स्थिति हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि आखिर संसद जैसे सर्वोच्च मंच पर संवाद की जगह हंगामा, नारेबाजी और गतिरोध क्यों हावी होता जा रहा है। क्या यह केवल सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच अविश्वास का परिणाम है, या फिर संसदीय परंपराओं के क्षरण का संकेत? विगत वर्षों में बार-बार यह देखने को मिला है कि महत्वपूर्ण विधेयकों और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर गंभीर चर्चा के बजाय सदन की कार्यवाही बाधित होती रही है। इससे न केवल विधायी कामकाज प्रभावित होता है, बल्कि जनता के बीच यह संदेश भी जाता है कि उनके चुने हुए प्रतिनिधि अपने दायित्वों के प्रति गंभीर नहीं हैं।

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि वह असहमति को स्थान देता है। विपक्ष का काम केवल विरोध करना नहीं, बल्कि सरकार को जवाबदेह ठहराना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना भी है। इसके लिए सदन में बोलने का अवसर, प्रश्न पूछने की स्वतंत्रता और आलोचना का सम्मान अनिवार्य है। यदि विपक्ष यह महसूस करता है कि उसके लिए ये रास्ते संकुचित किए जा रहे हैं, तो उसका आक्रोश स?कों या नारेबाजी के रूप में फूट प?ता है, जो अंततः संसद की गरिमा को ही नुकसान पहुँचाता है। दूसरी ओर, विपक्ष द्वारा बार-बार सदन की कार्यवाही बाधित करना भी उतना ही गंभीर दोष है, क्योंकि इससे शासन की प्रक्रिया ठप होती है और जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इस दोतरफा अविश्वास और आक्रामकता के बीच लोकतंत्र का मूल उद्देश्य कहीं खोता हुआ दिखता है।

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में यदि संसद बार-बार हंगामे, निलंबन और गतिरोध की खबरों में रहे, तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की लोकतांत्रिक छवि को प्रभावित करता है। विकास, नीति और जनकल्याण की चर्चा के स्थान पर यदि टकराव और अविश्वास केंद्र में आ जाए, तो यह भविष्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। लोकतंत्र की मजबूती केवल मजबूत सरकार से नहीं, बल्कि मजबूत विपक्ष और निष्पक्ष संस्थानों से भी आती है। लोकसभा अध्यक्ष जैसे पद से अपेक्षा की जाती है कि वह न केवल नियमों का पालन कराए, बल्कि विश्वास का सेतु भी बने। वहीं विपक्ष से भी यह अपेक्षा है कि वह विरोध को रचनात्मक बनाए, न कि अवरोध का माध्यम।

आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को फिर से संवाद का मंच बनाया जाए, जहाँ तीखी असहमति भी मर्यादा में व्यक्त हो और सत्ता व विपक्ष दोनों ही लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराएँ। अविश्वास प्रस्ताव जैसे कदम यदि चेतावनी के रूप में लिए जा रहे हैं, तो उन्हें आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। प्रश्न यह नहीं है कि कौन सही है और कौन गलत, बल्कि यह है कि लोकतंत्र की संस्था को कैसे स्वस्थ, विश्वसनीय और प्रभावी बनाया जाए। जनता ने सांसदों को नारे लगाने या कार्यवाही बाधित करने के लिए नहीं, बल्कि देश के भविष्य पर गंभीर विमर्श के लिए चुना है। यदि संसद इस अपेक्षा पर खरी नहीं उतरती, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होती है।

यह भी तथ्य है कि लोकसभा अध्यक्ष के रूप में श्री ओम बिरला का संसदीय संचालन अब तक सामान्यतः अनुशासित, कार्यकुशल और नियमसम्मत माना जाता रहा है। उनके कार्यकाल में लोकसभा की कार्यवाही को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाने, विधायी कार्यों को प्राथमिकता देने और विभिन्न दलों को साथ लेकर चलने का प्रयास स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। अनेक अवसरों पर उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के बीच संतुलन साधने की कोशिश की है तथा संसदीय परंपराओं और नियमों के पालन पर बल दिया है। उनकी छवि एक ऐसे अध्यक्ष की रही है जो सदन को सुचारु रूप से चलाने के लिए होशियारी, धैर्य और व्यावहारिक समझ का प्रयोग करते हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, संसदीय मर्यादाओं का आग्रह और संवाद के लिए दरवाजे खुले रखने की प्रवृत्ति को देखते हुए उनके जैसे लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की स्थिति अपने आप में एक त्रासद और चिंताजनक घटना प्रतीत होती है। यह घटना व्यक्ति विशेष से अधिक उस माहौल की ओर संकेत करती है, जहाँ अविश्वास इतना गहरा हो चुका है कि संवाद और विश्वास के पुल कमजोर पड़ते जा रहे हैं। अंततः यह समय आरोप-प्रत्यारोप से आगे बड़कर जिम्मेदारी स्वीकार करने का है। सत्तापक्ष को यह समझना होगा कि मजबूत विपक्ष लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी ताकत है। विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध की भी एक मर्यादा और रचनात्मकता होती है। और अध्यक्ष जैसे संवैधानिक पदों को यह स्मरण रखना होगा कि उनकी निष्पक्षता केवल नियमों के पालन से नहीं, बल्कि व्यवहार और अवसर की समानता से भी सिद्ध होती है। यदि संसद को संवाद का मंच बनाए रखने में हम विफल रहते हैं, तो यह केवल एक सत्र या एक सरकार की विफलता नहीं होगी, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमारी सामूहिक असफलता मानी जाएगी। यही वह बिंदु है जहाँ हर नागरिक, हर जनप्रतिनिधि और हर संस्था को आत्मचिंतन करना होगा, ताकि विकास की राह में विनाश की संभावनाएँ नहीं, बल्कि संवाद, विश्वास और लोकतांत्रिक परिपक्वता का मार्ग प्रशस्त हो सके।

(लेखक - ललित गर्ग)

हिंदी दैनिक
जनलोक मंथन संदेश
RNI - MPHIN/2017/71673
E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20/22
समाचार का निचोड़
भोपाल शनिवार
14 फरवरी 2026

ब्रीफ न्यूज

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सियासी घमासान, माफी की मांग पर भाजपा का वॉकआउट

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बुधवार को लगातार दूसरे दिन हंगामे के बीच कार्यवाही बाधित रही। भाजपा के विधायकों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला द्वारा कथित तौर पर की गई असंसदीय टिप्पणियों पर माफी की मांग की और विरोध में सदन से वॉकआउट कर दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा विधायक शाम लाल शर्मा ने खड़े होकर कहा कि सदन के नेता मुख्यमंत्री को अपने बयान पर माफी मांगनी चाहिए या उनकी अनुपस्थिति में स्पीकर की ओर से कोई स्पष्ट बयान जारी किया जाए। स्पीकर अब्दुल रहीम राथर ने भाजपा सदस्यों से प्रश्नकाल चलने देने की अपील की और कहा कि जब सदन के नेता उपस्थित हों तब इस मुद्दे को उठाया जा सकता है। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री सकीना इट्टू ने आरोप लगाया कि भाजपा सदस्यों ने भी विशेष रूप से उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी के खिलाफ असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल किया है। इस पर सुरिंदर चौधरी ने सुझाव दिया कि दोनों पक्षों द्वारा प्रयोग किए गए आपत्तिजनक शब्दों की जांच कर उन्हें कार्यवाही से हटाया जाए, ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चल सके। हालांकि, नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने इस सुझाव का विरोध किया और अपने रुख पर कायम रहे। बाद में उन्होंने भाजपा विधायकों के साथ नारेबाजी करते हुए सदन से वॉकआउट किया। भाजपा सदस्यों ने डेरोगेटरी सरकार हाय-हाय और असंसदीय सरकार हाय-हाय के साथ भारत माता की जय के नारे लगाए।

स्कूल में अंधाधुंध फायरिंगः हमलावर के अलावा 10 बच्चों की मौत, कई घायल

टंबलर रिज। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत स्थित टंबलर रिज कस्बे के एक स्कूल में मंगलवार को हुई भीषण गोलीबारी में 10 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में मुख्य हमलावर भी मारा गया है। इस दर्दनाक घटना में दर्जनों लोग घायल हुए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। जिस समय यह हमला हुआ, स्कूल में करीब 200 छात्र मौजूद थे। फिलहाल सुरक्षा कारणों से हमलावर की पहचान उजागर नहीं की गई है और पूरे इलाके को भारी पुलिस बल ने छावनी में तब्दील कर दिया है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने पुष्टि की है कि एक संदिग्ध घटनास्थल पर मृत पाया गया है। पुलिस अधिकारी अब इस बात की गहनता से जांच कर रहे हैं कि क्या इस कृत्य में कोई दूसरा संदिग्ध भी शामिल था। करीब 2,400 की आबादी वाले इस शांत कस्बे में सुरक्षा के मद्देनजर निवासियों को घरों के भीतर ही रहने की सख्त हिदायत दी गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पड़ोसी इलाकों से अतिरिक्त पुलिस कुमुक बुलाई गई है।पीस रिवर साउथ स्कूल डिस्ट्रिक्ट के अनुसार, घटना के बाद टंबलर रिज सेकेंडरी स्कूल और एलीमेंट्री स्कूल दोनों को लॉकडाउन पर रखा गया है, जिससे किसी भी व्यक्ति के अंदर आने या बाहर जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। स्थानीय विधायक लैरी न्यूफेल्ड ने बताया कि एंबुलेंस और अन्य आवश्यक संसाधन तेजी से मौके पर भेजे जा रहे हैं।

डिजिटल व्यापार नियमों में बदलाव की तैयारी, सप्लाई चेन और टेक्नोलॉजी सहयोग पर जोर

भारत-यूएस व्यापार समझौता अंतिम दौर में, निवेश समेत कई मुद्दों को जल्द सुलझाने का लक्ष्य धरने पर

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर बातचीत निर्णायक दौर में पहुंच गई है। दोनों देशों ने संकेत दिया है कि सेवाओं, निवेश, श्रम और सरकारी खरीद से जुड़े अहम मुद्दों को आने वाले कुछ हफ्तों में सुलझाने की कोशिश की जाएगी। जारी फैक्ट शीट में कहा गया है कि पारस्परिक लाभ वाले व्यापार समझौते पर ऐतिहासिक पहल पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

फैक्ट शीट के मुताबिक दोनों देश लंबित बिंदुओं पर तेज वार्ता जारी रखेंगे। खास तौर पर सेवाएं और निवेश नियम, श्रम मानक और सरकारी खरीद व्यवस्था को लेकर सहमति बनाने पर जोर है। इसके साथ वस्तुओं के उत्पादन वाले देश यानी कंट्री ऑफ ओरिजिन नियमों पर भी बातचीत होगी। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि समझौते के फायदे मुख्य रूप से भारत और अमेरिका को ही मिलें। दस्तावेज में डिजिटल व्यापार से जुड़े नियमों में भी बड़े बदलाव के संकेत दिए गए हैं। भारत ने डिजिटल सेवा कर हटाने की दिशा में प्रतिबद्धता जताई है। साथ ही डिजिटल व्यापार में बाधा बनने वाले भेदभावपूर्ण या बोझिल नियमों को खत्म करने के लिए नए द्विपक्षीय डिजिटल व्यापार नियम बनाने पर सहमति बनी है। इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण पर सीमा शुल्क जैसे प्रावधान भी समीक्षा के दायरे में रहेंगे।

दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा समन्वय मजबूत करने की बात कही है। फोकस सप्लाई चेन को मजबूत बनाने और नवाचार को बढ़ावा देने पर रहेगा। गैर-बाजार नीतियों से पैदा चुनौतियों से निपटने के लिए पूरक कदम उठाने पर भी सहमति बनी है। आयात और बाहर जाने वाले निवेश की समीक्षा तथा निर्यात नियंत्रण पर सहयोग बढ़ाने की भी योजना है। इससे प्रौद्योगिकी उत्पादों के व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई गई है।

अमेरिकी उत्पादों के लिए बड़ा बाजार खुलेगा

फैक्ट शीट में कहा गया है कि इस व्यापार समझौते से 1.4 अरब से ज्यादा आबादी वाला भारतीय बाजार अमेरिकी उत्पादों के लिए और ज्यादा खुलेगा। इससे कृषि, औद्योगिक और प्रौद्योगिकी उत्पादों की पहुंच बढ़ेगी। दोनों देशों का मानना है कि बाजार पहुंच बढ़ने से दोतरफा व्यापार और निवेश को नई गति मिलेगी।

शुल्क और ऊर्जा आयात का संदर्भ

दस्तावेज में यह भी उल्लेख है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीद रोकने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप भारत के आयात पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क को हटाने पर सहमति जताई है। इसे व्यापार संतुलन सुधारने और ऊर्जा नीति समन्वय के कदम के रूप में देखा जा रहा है। इससे व्यापार वार्ता के माहौल को सकारात्मक बढ़ावा मिला है।

कुछ हफ्तों में ढांचा तय करने का लक्ष्य

दोनों देशों के अधिकारियों का लक्ष्य है कि अगले कुछ हफ्तों में प्रमुख विवादित मुद्दों पर सहमति का ढांचा तैयार कर लिया जाए। सेवाएं, निवेश, श्रम नियम, सरकारी खरीद, डिजिटल व्यापार और कंट्री ऑफ ओरिजिन जैसे बिंदु समझौते के केंद्र में हैं। अगर वार्ता तय समय में आगे बढ़ती है तो भारत-अमेरिका आर्थिक रिश्तों में यह एक बड़ा मोड़ साबित हो सकता है।

गुयाना की संसद में गूंजी शुद्ध हिंदी

भारतीय मूल के मंत्री ने बिना कागज के बहस की चुनौती दी

सदन के भीतर हिंदी की यह दहाड़ अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है

एजेंसी ■ जॉर्जटाउन

दक्षिण अमेरिकी देश गुयाना की संसद में उस समय एक ऐतिहासिक और गौरवशाली पल देखने को मिला, जब बजट 2026 पर चर्चा के दौरान हिंदी भाषा की गूँज सुनाई दी। भारतीय मूल के कृषि राज्य मंत्री विकाश रामकिसून ने अपनी भाषाई क्षमता पर सवाल उठाने वाले विपक्षी सांसदों को न केवल हिंदी में करारा जवाब दिया, बल्कि उन्हें बिना किसी तैयारी के शुद्ध हिंदी में बहस करने की खुली चुनौती भी दे डाली। सदन के भीतर हिंदी की यह दहाड़ अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है और इसे वैश्विक स्तर पर हिंदी के बढ़ते गौरव के रूप में देखा जा रहा है।पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब विपक्षी सांसद विष्णु पांडे ने मंत्री विकाश रामकिसून की हिंदी बोलने की काबिलियत पर तंज कसा। विपक्ष को उम्मीद नहीं थी कि इसका जवाब इतनी प्रखरता से मिलेगा। रामकिसून तुरंत अपनी कुर्सी से खड़े हुए और बिना किसी हिचकिचाहट के शुद्ध हिंदी में कहा, माननीय अध्यक्ष महोदय, आदरणीय सदस्य विष्णु पांडे... मैं अभी इसी वक्त उनको चुनौती देता हूं कि किसी भी स्तर पर, किसी भी जगह पर जाकर, विषय वे तय करें, और मैं बिना कागज लिए वहां डिबेट करूंगा। सदन में मौजूद सदस्य मंत्री के इस आत्मविश्वास और भाषा पर पकड़ को देखकर हक्के-बक्का रह गए। जॉर्जटाउन स्थित भारतीय उच्चायोग ने भी इस घटना की सराहना करते हुए इसे गुयाना की संसद में गूंजी हमारी हिंदी के रूप में गर्व के साथ साझा किया है। गौरतलब है कि विकाश रामकिसून की जड़ें भारत से गहरी जुड़ी हुई हैं। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कॉमर्स में मास्टर डिग्री ली है और वे कानून के भी जानकार हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले वे बैंकिंग क्षेत्र में एक सफल प्रबंधक के रूप में कार्य कर चुके हैं। गुयाना की करीब 40 प्रतिशत आबादी भारतीय मूल की है, जिनके पूर्वज 1838 से 1917 के बीच उत्तर प्रदेश और बिहार से गिरमिटिया मजदूर के रूप में वहां गए थे। आज विकाश रामकिसून जैसे नेता न केवल वहां की राजनीति में सक्रिय हैं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और भाषाई विरासत को भी गर्व के साथ संजोए हुए हैं। उनकी इस चुनौती ने साबित कर दिया है कि सात समंदर पार भी हिंदी न केवल जीवित है, बल्कि राजनीतिक संवाद का एक सशक्त माध्यम बनी हुई है।

अंतरिक्ष का प्रभाव महिला प्रजनन क्षमता के लिए हो सकता है हानिकारकः शोध

वॉशिंगटन। धरती से बाहर मानव प्रजनन का मुद्दा अब केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि एक वास्तविक और गंभीर चुनौती बनकर उभर रहा है। असिस्टेड रिप्रोडक्टिव टेक्नोलॉजी (एआरटी) जैसे ऑटोमेटेड आईवीएफ और क्रायोप्रिज़र्वेशन पहले से कहीं अधिक उन्नत और सुलभ हो चुकी हैं।

यह स्थिति इस सवाल को और भी अहम बनाती है कि क्या महिलाएं अंतरिक्ष में सुरक्षित रूप से गर्भधारण या बच्चे को जन्म दे सकती हैं? इंटरनेशनल आईवीएफ इनिशिएटिव इंक के क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजिस्ट गाइल्स पामर के अनुसार, 1969 की चंद्रमा लैंडिंग और आईवीएफ तकनीक में आए क्रांतिकारी बदलाव अब एक साझा दिशा की ओर बढ़ते दिख रहे हैं। लेकिन अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े प्रजनन जोखिमों—जैसे कॉस्मिक रेडिएशन, सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और अनियोजित गर्भधारण के लिए अभी तक कोई इंडस्ट्री-ग्रेड दिशानिर्देश मौजूद नहीं हैं। यह नई रिपोर्ट प्रजनन स्वास्थ्य, एयरोस्पेस मेडिसिन और बायोएथिक्स के नौ विशेषज्ञों ने मिलकर तैयार किया। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में बच्चे पैदा करने को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि उन वैज्ञानिक और नीतिगत खामियों को उजागर करना है जिन्हें अनदेखा किया गया तो भविष्य में गंभीर परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष प्रजनन के लिए बेहद प्रतिकूल वातावरण प्रदान करता है। माइक्रोग्रैविटी मासिक चक्र को प्रभावित कर सकती है, जबकि कॉस्मिक रेडिएशन कोशिकाओं में स्थायी क्षति और कैंसर के खतरे को बढ़ा देता है। जानवरों पर किए गए प्रयोग बताते हैं कि अंतरिक्ष का प्रभाव महिला प्रजनन क्षमता के लिए हानिकारक हो सकता है, लेकिन मानव शरीर पर लंबी अवधि के प्रभावों को लेकर बेहद सीमित आंकड़े उपलब्ध हैं खासकर पुरुष प्रजनन पर। स्टडी इसे 'ज्ञान में सबसे बड़ा अंतर' बताती है। हालांकि स्पेस शटल के ज़माने में महिला अंतरिक्ष यात्रियों की गर्भधारण दर धरती के समान पाई गई, लेकिन आईएसएस और भविष्य के मंगल मिशनों की अवधि देखते हुए नए शोध और प्रोटोकॉल आवश्यक हो गए हैं। उन्नत एआरटी तकनीकें अंतरिक्ष की परिस्थितियों में उपयोगी साबित हो सकती हैं। अंडाणु और शुक्राणु फ्रीजिंग, एम्ब्रियो कल्चर और जेनेटिक स्क्रीनिंग जैसी प्रक्रियाएं अब ऑटोमेटेड और पोर्टेबल हो चुकी हैं, जो स्पेस मिशन की सीमाओं के अनुरूप हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ये तकनीकें चरम परिस्थितियों में भी सफल रहती हैं। यही वह कारण है कि कक्षा में आईवीएफ भविष्य में 'संभावित' माना जा रहा है।

बांग्लादेश में मतदान के एक दिन पहले हुई झड़प में नेता की आंख निकाली

सदमे से मां ने तोड़ा दम, इलाके में भारी तनाव व्याप्त

एजेंसी ■ ढाका

बांग्लादेश के बोगुरा जिले के नंदीग्राम उपजिले में चुनावी रंजिश और हिंसा का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां कल यानी 12 फरवरी को होने वाले मतदान से ठीक पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प में न केवल छह लोग गंभीर रूप से घायल हुए, बल्कि नफरत इस कदर हावी हुई कि एक नेता की आंख ही निकाल दी गई। इस वीभत्स घटना के बाद इलाके में भारी तनाव व्याप्त है और राजनीतिक माहौल गरमा गया है। घटनाक्रम के अनुसार, सोमवार शाम करीब 7:30 बजे परशुन गांव में उस समय विवाद शुरू हुआ था जब जमात-ए-इस्लामी के कार्यकर्ता चुनाव प्रचार कर रहे थे। मौके पर मौजूद बीएनपी समर्थकों ने उन पर मतदाताओं को लुभाने के लिए पैसे बांटने का आरोप लगाया। यह आरोप-प्रत्यारोप देखते ही देखते हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। बताया जा रहा है कि बीएनपी कार्यकर्ताओं ने जमात के कुछ लोगों को पकड़ लिया और उन्हें स्थानीय नेता मसूद राना के घर ले गए। इसके कुछ ही देर बाद, अपने साथियों को छुड़ाने के लिए बड़ी संख्या में जमात कार्यकर्ता मसूद राना के घर पर धावा बोल दिया। इस हमले के दौरान हुई बर्बरता ने सबको हैरान कर दिया। बीएनपी उम्मीदवार मोशर्रफ हुसैन ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया कि हमलावरों ने मसूद राना की दाहिनी आंख फोड़कर निकाल दी। मसूद को तत्काल बोगुरा के शहीद जियाउर रहमान मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी स्थिति को अत्यंत गंभीर बताया।

कुपवाड़ा में आतंकी साजिश नाकामः जंगल में छिपाकर रखा था ग्रेनेड लॉन्चर और गोला-बारूद

कुपवाड़ा। सेना ने मंगलवार को कुपवाड़ा जिले में आतंकी साजिश को नाकाम किया। कंडी के जंगल इलाके में छिपाकर रखे गए हथियार और गोला-बारूद बरामद किया। विस्फोटक की बरामदगी के बाद इलाके में सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सेना की 47 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों ने खास इनपुट पर कंडी के जंगल की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान जंगल में हथियार और विस्फोटक मिले। इनमें 7.62 एमएम के 150 राउंड, एक संदिग्ध अंडर बैरल ग्रेनेड लॉन्चर, 12 यूनिट प्लास्टिक एक्सप्लोसिव, 18 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर और एक प्लास्टिक कंटेनर के अंदर पैक कनेक्टर वाला इलेक्ट्रिक वायर शामिल है। विस्फोटक की बरामदगी के बाद सुरक्षा बढ़ाते हुए आसपास के जंगल के इलाकों में भी निगरानी और सर्च ऑपरेशन तेज कर दिए गए हैं।

आर्थिक संकट की आहट के बीच जापान की नई प्रधानमंत्री सनाए तकाची के सामने कई चुनौतियां

एजेंसी ■ टोक्यो

जापान में नई सरकार के साथ साथ नई चुनौतियां भी दिखाई दे रही हैं। जापान में हाल ही में संपन्न हुए आम चुनावों ने न केवल देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ दिया है, बल्कि वैश्विक स्तर पर जापान की छिपी हुई आर्थिक कमजोरियों को भी उजागर कर दिया है। लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता सनाए तकाची ने इन चुनावों में 75.7 फीसदी सीटों पर ऐतिहासिक कब्जा जमाकर जबरदस्त जीत हासिल की है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद किसी भी जापानी नेता को मिला यह अब तक का सबसे बड़ा जनादेश है। हालांकि, यह जीत जितनी भव्य है, नई सरकार के सामने खड़ी आर्थिक चुनौतियां उतनी ही विकराल हैं। दुनिया अब तक जापान को केवल एक आर्थिक रोल मॉडल और तकनीक के गढ़ के रूप में देखती आई है, लेकिन इस चुनाव और इसके बाद की घोषणाओं ने वहां की अर्थव्यवस्था की एक बेहद पिछड़ी और संकटग्रस्त तस्वीर पेश की है।

ऐतिहासिक आंकड़ों पर नजर डालें तो दूसरे विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद जापान वर्ष 1960 से 1980 के बीच एक वैश्विक आर्थिक महाशक्ति बनकर उभरा था। 90 के दशक तक जापान की जीडीपी ग्रोथ जी-7 देशों के मुकाबले काफी तेज थी, लेकिन इसके बाद से ही अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने लगा।

60 और 80 के दशक के बीच जहाँ जापान की विकास दर 16.4 फीसदी से 17.9 फीसदी के बीच रही थी, वहीं साल 2010 से 2024 के बीच यह गिरकर शून्य से भी 2.4 फीसदी नीचे चली गई है। यानी वर्तमान में जापान एक गंभीर मंदी के दौर से गुजर रहा है। जापान इस समय आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति का सामना कर रहा है। एक तरफ जीडीपी विकास दर नकारात्मक है, तो दूसरी तरफ सरकारी कर्ज का बोझ जीडीपी के मुकाबले 230 फीसदी के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। यह दशकों से चले आ रहे घाटे वाले खर्चों का परिणाम है। नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री सनाए तकाची ने अपने चुनावी वादों में अतिरिक्त खर्चों को घटाने और टैक्स में कटौती का ऐलान किया है।

वार्ता | बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल चाहता हैः रुस

भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिश कर रहे ट्रंप

एजेंसी ■ मास्को

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक इंटरव्यू में अमेरिका पर निशाना साधते हुए कहा कि भारत और दूसरे पार्टनर्स को रूस से तेल खरीदने से रोकने की कोशिशें हो रही हैं। रूस के विदेश मंत्री ने पिछले साल अलास्का में हुई शांति वार्ता जैसे कई मामलों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वॉशिंगटन ने टैरिफ, बैन और सीधे रोक जैसे जबरदस्ती वाले तरीकों का इस्तेमाल करते हुए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लावरोव ने कहा कि अमेरिका हमसे कहता है कि यूक्रेन की समस्या का हल होना चाहिए। एंकरेज में हमने अमेरिका का प्रपोजल मान लिया। यूएस की स्थिति हमारे लिए जरूरी थी। उनका प्रपोजल मानकर, ऐसा लगता है कि हमने यूक्रेनी मुद्दे को सुलझाने का काम पूरा कर लिया है और एक बड़े पैमाने पर और आपसी फायदे वाले सहयोग की ओर बढ़ रहे हैं। अभी तक असलियत बिल्कुल उलटी है। उन्होंने कहा कि नए बैन लगाए गए हैं, यूएन कन्वेंशन ऑन लॉ ऑफ द सी का उल्लंघन करते हुए खुले समुद्र में टैंकरों के खिलाफ जंग छेड़ी जा रही है। वे भारत और हमारे दूसरे साझीदारों को सस्ते, किफायती रूसी एनर्जी रिसोर्स खरीदने से बैन करने की कोशिश कर रहे हैं और उन्हें बहुत ज्यादा कीमतों पर यूएस एलएनजी खरीदने के लिए मजबूर कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपने लिए आर्थिक दबदबा बनाने का लक्ष्य रखा है। बड़े देशों तक अपने एनर्जी सोर्स पहुंचाने के लिए अमेरिका उनके रास्तों पर कंट्रोल करना चाहता है। लावरोव ने कहा कि टैरिफ, सेंक्शन, सीधे रोक लगाना और कुछ लोगों को दूसरों से जुड़ने से रोकना, ये कदम अपने मकसद को पूरा करने के लिए उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें इन सब बातों का ध्यान रखना होगा और भारत, चीन, इंडोनेशिया और ब्राजील की तरह अमेरिका जैसी बड़ी ताकतों समेत सभी देशों के साथ सहयोग के लिए खुले रहना होगा। हम ऐसी स्थिति में हैं जहां अमेरिकी खुद ही रास्ते में बनावटी रुकावटें खड़ी कर रहे हैं। बता दें उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा है कि भारत के एनर्जी से जुड़े फैसले देश के हित से ही तय होते रहेंगे। मिसरी ने कहा कि भारत तेल और गैस सेक्टर में इंपोर्टर है और एक डेवलपिंग इकॉनमी होने के नाते, उसे अपने रिसोर्स की उपलब्धता और महंगाई पर आयात निर्भरता के असर के बारे में पता होना चाहिए।

ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता के बीच नेतन्याहू का वॉशिंगटन दौराः अब बैठक पर दुनिया की नजरें

यरूशलेम। ईरान और अमेरिका के बीच जारी परमाणु वार्ताओं के बावजूद मध्य पूर्व में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों पक्षों की ओर से जारी धमकियों और कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू एक बेहद महत्वपूर्ण मिशन पर अमेरिका रवाना हो रहे हैं। पीएम नेतन्याहू वॉशिंगटन डीसी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। रणनीतिक रूप से यह बैठक इसलिए भी खास है क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के दोबारा सत्ता में आने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह सातवीं आधिकारिक मुलाकात होगी, जिसने ईरान की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अमेरिका के लिए रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने इस यात्रा के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी ये बार-बार होने वाली मुलाकातें इजरायल और अमेरिका के बीच के असाधारण और ऐतिहासिक संबंधों का प्रमाण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच आज जितनी नजदीकी है, वैसी इजरायल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखी गई।

हिंदी दैनिक
जनलोक मंथन संदेश
RNI - MPHIN/2017/71673
E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20/22
समाचार का निचोड़

पाकिस्तानियों को शर्म आनी चाहिए, भारत से मैच के पहले ही रोने लगे सकलैन मुश्ताक

पिच को लेकर आईसीसी पर उछाली कीचड़, कहा- यह हो सकती है चेंज

नई दिल्ली , एजेंसी

आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत और पाकिस्तान का महामुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम पर खेला जाएगा। बता दें कि पहले पाकिस्तानी सरकार ने भारत से होने वाले इस मैच का बॉयकॉट किया था। उन्होंने बांग्लादेश के समर्थन करते हुए ऐसा किया था। हालांकि पाकिस्तान ने फिर गजब यू टर्न मारा और अब वे भारत के साथ खेलने के लिए राजी हैं। भारत-पाक के मैच से पहले ही पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर सकलैन मुश्ताक ने विवादित बयान दे दिया है। यह बयान भारतीय फैंस को नाराज भी कर सकता है।

पाकिस्तान के एक शो पर जब होस्ट सकलैन मुश्ताक से भारत और पाकिस्तान के

बीच होने वाली पिच को लेकर पूछते हैं तो मुश्ताक बड़ा अजीबोगरीब जवाब देते हैं। वो कहते हैं, जिस तरह की टेक्लनोलॉजी है, जिस तरह के मॉर्डन डे ग्राउंड्समैन हैं, यह चेंज हो सकती है। आईसीसी जो है वो किसके प्रभाव में है यह हमें पता है। पाकिस्तान ने हालांकि टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अच्छी शुरुआत की है। नीदरलैंड्स और अमेरिका के खिलाफ खेले गए अपने दोनों मैचों को पाकिस्तान ने जीता है। बता दें कि 2021 में सिर्फ एक बार पाकिस्तान ने भारत को टी20 वर्ल्ड कप में हराया है। भारत से आखिरी मैच भी पाकिस्तान ने 2022 में जीता था। ऐसे में आगमी मुकाबले में भी टीम इंडिया ही फेवरेट है।

एशिया कप 2025 में भारत ने किया था शर्मसार

2025 के एशिया कप में भारत ने पाकिस्तान को जलील कर दिया था। एक नहीं दो नहीं बल्कि फाइनल समेत भारत ने पाकिस्तान को तीन बार हराया था। पाकिस्तान ने एशिया कप में भी हैंडशेक न करने को लेकर काफी ज्यादा विवाद करा था। भारत ने एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन और पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी से एशिया कप जीतने के बाद ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। ऐसे में नकवी ट्रॉफी अपने साथ ले गए थे।

टी-20 वर्ल्ड कप: भारत का दूसरा मैच आज नामीबिया से

बीमार अभिषेक शर्मा को रिप्लेस कर सकते हैं सैमसन, जसप्रीत बुमराह भी वापसी करेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी

टी-20 वर्ल्ड कप के 18वें मुकाबले में आज मेजबान भारत के सामने नामीबिया की चुनौती है। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला शाम 7 बजे से शुरू होना है, जिसका टॉस 6.30 बजे होगा।

भारत ने पहले मैच में अमेरिका को हराया था, वहीं नामीबिया को नीदरलैंड से हार का सामना करना पड़ा। आज का मैच जीतकर टीम इंडिया ग्रुप-ए के पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच सकती है। वहीं नामीबिया के पास भी जीत के साथ नंबर-2 पर पहुंचने का मौका है। पाकिस्तान 4 पॉइंट्स के साथ नंबर-1 पर है। श्रीलंका को हरा चुका है नामीबिया नामीबिया ने टी-20 वर्ल्ड कप में 16 मुकाबले खेले हैं। 4 में टीम को जीत और 11 में हार मिली। एक मैच टाई भी रहा। 2022 में टीम श्रीलंका को भी हरा चुकी है। वर्ल्ड कप में नामीबिया ने एक बार भारत का सामना भी किया, लेकिन 2021 में टीम को हार मिली थी।

कप्तान सूर्या फॉर्म में, अभिषेक बीमार

नामीबिया के खिलाफ मैच से पहले भारत को बड़ा झटका लगा। ओपनर अभिषेक शर्मा बीमार हैं, उनका आज के मैच में खेलना मुश्किल है। अभिषेक की जगह विकेटकीपर संजू सैमसन को मौका मिल सकता है, उनके साथ ईशान किशन ओपनिंग करते नजर आएंगे। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव अमेरिका के खिलाफ 84 रन बनाकर अपना फॉर्म साबित कर चुके हैं। यूएसए के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने नई गेंद से बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए मुकाबले में 3 विकेट अपने नाम किए थे। तब अर्शदीप सिंह को 2 विकेट मिले थे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंजरी से रिकवर होने के बाद आज वापसी करेंगे। ऐसे में अर्शदीप या सिराज में से किसी एक गेंदबाज को बेंच पर बैठना पड़ सकता है।

नामीबिया पहला मैच जीत नहीं सकी

नामीबिया को अपने पहले मुकाबले में नीदरलैंड के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टीम आज भी हार गई तो उनका सुपर-8 में एंट्री करना मुश्किल हो जाएगा। पहले मुकाबले में नामीबिया के लिए जैन निकोल लोफ्टी-ईटन ने 42 रन बनाए थे।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11 भारत: संजू सैमसन, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वरुण च वर्ती, अर्शदीप सिंह/मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह।

नामीबिया: लौरेन स्टीनकैंप, जैन फायलिंक, जैन निकोल लॉफ्टी-ईटन, जेरार्ड इरास्मस (कप्तान), जेजे स्मिट, जैन ग्रीन (विकेटकीपर), डायलन लीचर, रूबन ट्रम्पलमैन, विलेम मायबर्ग, बर्नार्ड शोल्ट्ज और मैक्स हिंगो।

विवाद से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने झाड़ा पल्ला

अब पूरा ठीकरा बीसीबी और खिलाड़ियों पर फोड़ा

नई दिल्ली , एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 से पहले बांग्लादेश को लेकर छिड़े विवाद के बीच बड़ा यू-टर्न सामने आया है। देश की अंतरिम सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नजरुल ने अब साफ कहा है कि भारत नहीं जाने का फैसला सरकार का नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और खिलाड़ियों का था। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए नजरुल ने कहा, इसमें पछतावे का कोई सवाल नहीं है। यह फैसला बीसीबी और खिलाड़ियों ने देश की क्रिकेट, लोगों की सुरक्षा और राष्ट्रीय गरिमा की रक्षा के लिए लिया था।

नजरुल का यह बयान उनके पहले दिए गए बयानों से बिल्कुल उलट है। टी20 विश्व कप में बांग्लादेश के न खेलने को लेकर जब गतिरोध चल रहा था, तब नजरुल कई बार सार्वजनिक रूप से कह चुके थे कि टीम को भारत न भेजने का निर्णय सरकार का है और बीसीबी ने सिर्फ सरकारी निर्देशों का पालन किया है। यही नहीं, 4 जनवरी को बीसीबी की आधिकारिक घोषणा से पहले ही नजरुल ने बयान दे दिया था कि बांग्लादेश भारत में अपने विश्व कप मुकाबले खेलने को तैयार नहीं है। यह फैसला उस विवाद के बाद आया था, जब बीसीसीआई ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल 2026 से मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था। नजरुल ने आईसीसी के साथ बातचीत में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी और खिलाड़ियों के साथ बैठक कर उन्हें अंतिम निर्णय की जानकारी दी थी। इसके तुरंत बाद आईसीसी ने घोषणा की कि टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड खेलेगा।

आईसीसी ने बीसीबी पर किया कार्रवाई से इनकार

हाल ही में आईसीसी ने साफ किया कि बांग्लादेश पर गैर-भागीदारी के लिए कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा और 2028-31 के बीच एक आईसीसी इवेंट की मेजबानी भी उसे दी जाएगी। लाहौर में हुई बैठक में पीसीबी और आईसीसी के साथ बातचीत के बाद यह फैसला हुआ, जिसमें बीसीबी अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम भी मौजूद थे। नजरुल ने इसे बड़ी कूटनीतिक सफलता बताते हुए बीसीबी की सराहना की।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

लाईव शो रोक जैस्मिन ने मनचलों को फटकारा, कहा-

नहीं गाऊंगी जब तक लड़कियां सेफ नहीं

लाईव शोज में अक्सर कुछ ऐसी भद्दी घटनाएं होती हैं, जिनका पता बाद में चलता है। लेकिन इस बार सिंगर जैस्मिन सैंडलस की अलर्टनेस ने कुछ गलत होने से पहले ही इसे रोक दिया। उनके हाल ही में दिल्ली में हुए कॉन्सर्ट का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जहां वो कुछ मनचले बदमाशों को स्टेज से ही फटकार लगाती दिखीं। सिंगर जैस्मिन सैंडलस 'तरस', 'यार ना मिले' और 'इलीगल वेपन 2.0' जैसे गानों के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' से दिल जीतने वाली जैस्मिन ने अपना लाइव शो बीच में ही रोक दिया, क्योंकि उन्होंने देखा कि कुछ लड़के कॉन्सर्ट में आई लड़कियों को परेशान कर रहे थे। वायरल वीडियो में जैस्मिन अचानक गाना रोक देती हैं। वो म्यूजिक बैंड से भी रुकने का इशारा करती हैं। और फिर सिक्योरिटी से कहती सुनाई देती हैं- सिक्योरिटी, प्लीज इन दो लड़कों को बाहर निकालिए। ये लड़कियों को परेशान कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने जो कहा, उसने सबका दिल जीत लिया। उन्होंने पंजाबी में कहा- तब तक नहीं गाऊंगी जब तक लड़कियां सेफ नहीं फील करतीं। अगर मेरे कॉन्सर्ट में लड़कियां सुरक्षित महसूस नहीं करेंगी, तो मैं परफॉर्म करके क्या करूंगी।

सिंगर की फैन हुई जनता

जैस्मिन की ये बातें सुनकर वहां मौजूद जनता जबरदस्त हूटिंग करती नजर आई. फिर जैसे ही ये वीडियो सोशल मीडिया पर आया, लोग उनकी तारीफ करने लगे. एक यूजर ने लिखा- सही है, ऐसा ही स्टैंड लेना चाहिए. दूसरे ने लिखा- असली क्वीन वही है जो अपने लोगों की रक्षा करे. कई और लोगों ने कहा- जैस्मिन ने एग्जाम्पल सेट कर दिया. उन्होंने दिखा दिया कि स्टेज से गाते हुए भी लोगों की ध्यान रखा जा सकता है. इस कॉन्सर्ट में जैस्मिन के साथ आयशा खान भी थीं, जो 'शरारत' गाने में क्रिस्टल डिसूजा के साथ नजर आई थीं. दोनों ने मिलकर स्टेज पर शानदार परफॉर्मेंस दी. एक वीडियो में आयशा हंसते हुए कहती दिखीं- मैं स्टेज पर आकर सारे स्टेप्स भूल गई. यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है. मैं हमेशा जैस्मिन से कहती हूं, वो भगवान की बच्ची है.

कुमार सानू का बेटा है अयान? यूजर के भद्दे पोस्ट पर भड़कीं कुनिका ने लगाई फटकार

बिग बॉस 19 खत्म होने के बाद भी घरवालों के झगड़े बंद होने का नाम नहीं ले रहे हैं। बीते दिनों तान्या मित्तल ने एक पॉडकास्ट में सभी बिग बॉस कंटेस्टेंट्स को लेकर बयानबाजी की थी। इससे गुस्साईं कुनिका ने उनकी आलोचना की। फिर क्या था... तान्या के फैंस कुनिका के पीछे पड़ गए और उन्हें ट्रोल करने लगे। एक यूजर ने तो हद ही पार कर दी।

शख्स ने कुनिका और उनके बेटे अयान को लेकर पर भद्दा कमेंट किया। पोस्ट लिखकर अयान को कुमार सानू का बेटा बताने की कोशिश की। ये देखकर कुनिका का पारा चढ़ गया। एक्ट्रेस ने तुरंत इसका मुंहतोड़ जवाब दिया। यूजर ने कुमार सानू और अयान की कोलाज फोटो शेयर कर उनके लुक्स को मैच किया। बताया कि दोनों की फुल शेप्ड आईब्रो है, एक जैसी आंखें, नाक की बनावट सेम है और उनके घने काले बाल हैं। उनकी एक जैसी स्किन टोन और जॉलाइन है। यूजर ने लिखा- मैं इसे कैसे बताऊं? हम सभी ने इसे महसूस किया है। हमने कुनिका को देखा है। उन्हें सुना है। हमने उन्हें तान्या मित्तल से अपने और कुमार सानू को लेकर बात करते हुए सुना है।

कैसे उन्होंने कुमार सानू का घर तोड़ा। लेकिन मुझे लगता है कुनिका एक बड़ी और अहम डिटेल को शेयर करना भूल गईं। कुनिका तभी सच बताना था ना। इस पोस्ट का जवाब देते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- तो अब चीजें हाथ से निकल रही हैं। मेरे फैमिली मेंबर्स और दूसरे शख्स को इसमें शामिल करना, जिसके पर्सनैलिटी राइट्स हैं। मैं इस बदबूदार मुंह वाले को नहीं छोड़ूंगी। मैडम चतुर्वेदी, इंतजार करो और देखो।

बाजार

ट्रेड डली पर बैंक ऑफ अमेरिका का बड़ा दावा, कहा- प्रभावी टैरिफ महज 13 रहने का अनुमान

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील से भारतीय निर्यातकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) ग्लोबल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर रेसिप्रोकल टैरिफ की दर 18 प्रतिशत पर बरकरार रहती है, तो भारतीय निर्यात पर प्रभावी टैरिफ घटकर 12-13 प्रतिशत तक आ सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका को होने वाले भारतीय निर्यात में इलेक्ट्रॉनिक्स की हिस्सेदारी 40-45 प्रतिशत है, जिस पर फिलहाल जीरो टैरिफ लागू है। हालांकि, अमेरिका के सेक्शन 232 प्रावधान के तहत लगने वाले शुल्क को जोड़ने पर प्रभावी टैरिफ दर 12 प्रतिशत से कुछ ऊपर रह सकती है। पहले चरण की डील में सेक्शन 232 के तहत लगने वाले टैरिफ पर कोई स्पष्टता नहीं दी गई है। ऐसे में भारतीय ऑटोमोबाइल, ऑटो कंपोनेंट्स, लोहा, स्टील और एल्युमिनियम पर करीब 25 प्रतिशत टैरिफ जारी रह सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस ट्रेड डील से श्रम-प्रधान क्षेत्रों को खास फायदा मिलने की उम्मीद है। टेक्सटाइल, रत्न और आभूषण जैसे सेक्टर निर्यात में बढ़त दर्ज कर सकते हैं। बोफा ने यह भी कहा है कि भारत द्वारा अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर का सामान खरीदने का लक्ष्य रखा गया है, जो सालाना करीब 100 अरब डॉलर के आयात के बराबर है। वर्तमान में भारत का कुल आयात बिल लगभग 750 अरब डॉलर है।

बाजार का नया बाजीगर: टाटा की कंपनी को पछाड़ एसबीआई बनी देश की चौथी सबसे बड़ी कंपनी

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में बुधवार को एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने मार्केट कैप यानी बाजार पूंजीकरण के मामले में दिग्गज आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज यानी टीसीएस को पछाड़ दिया है। शानदार तिमाही नतीजों के दम पर देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक के शेयरों में आई तेजी ने उसे अब रिलायंस, एचडीएफसी बैंक और भारती एयरटेल के बाद देश की चौथी सबसे मूल्यवान लिस्टेड कंपनी बना दिया है। बुधवार के कारोबारी सत्र के अंत में आए आंकड़ों ने बाजार विश्लेषकों का ध्यान खींचा। बीएसई पर एसबीआई का शेयर 3.40 प्रतिशत चढ़कर 1,183 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ, जबकि एनएसई पर यह 3.23 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,181.10 रुपये पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान बैंक के शेयरों में निवेशकों का जबरदस्त उत्साह देखा गया और यह लगभग चार प्रतिशत तक उछलकर अपने 52 हफ्तों के नए उच्चतम स्तर 1,187.70 रुपये पर पहुंच गया। इस उछाल का सीधा असर कंपनी के कुल मूल्यांकन पर पड़ा। सत्र के अंत में एसबीआई का मार्केट कैप 10,91,982.06 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। इसके ठीक उलट, टीसीएस के शेयरों में 2.5 प्रतिशत की गिरावट आई और उसका मार्केट कैप घटकर 10,52,646.38 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह सरकारी बैंक ने आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी के मूल्यांकन को पीछे धकेल दिया। इस ताजा फेरबदल के बाद भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष कंपनियों की तस्वीर बदल गई है। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज अब भी देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

हिंदी दैनिक
जनलोक मंथन संदेश
RNI - MPHIN/2017/71673
E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20/22
समाचार का निचोड़

भोपाल आज का तापमान

ब्रीफ न्यूज

प्राइवेट कॉलेज के प्रोफेसर ने लगाई फांसी

भोपाल। राजधानी के रातीबड़ इलाके में एक निजी कॉलेज के 32 वर्षीय प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह ठाकुर ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मूल रूप से सीहोर के आष्टा निवासी शैलेंद्र पिछले छह महीने से गोल्डन सिटी में किराए से रह रहे थे। पुलिस को मृतक के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उन्होंने बीमारी से परेशान होकर जीवन लीला समाप्त करने की बात कही है और परिजनों के प्रति अपना प्रेम व्यक्त किया है। पुलिस के अनुसार, शैलेंद्र की पत्नी भी कैंसर से जूझ रही हैं, जिसे लेकर वे लंबे समय से तनाव में थे। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार युवक को रौंदा, मौत

भोपाल। राजधानी के पिपलानी थाना क्षेत्र अंतर्गत आनंद नगर रायसेन रोड पर मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसे में 32 वर्षीय युवक प्रवेश जाटव की मौत हो गई। मूल रूप से रायसेन निवासी प्रवेश एक टेंट हाउस में काम करता था और रात करीब 11:30 बजे ड्यूटी से घर लौट रहा था, तभी एक अज्ञात ट्रक ने उसे पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। राहगीरों की मदद से उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बुधवार सुबह उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

चूनाभट्टी में शिफ्ट हुआ जिला सैनिक कल्याण कार्यालय

भोपाल। राजधानी के बाणगंगा चौराहा स्थित जिला सैनिक कल्याण कार्यालय की बिल्डिंग के ध्वस्तिकरण के कारण इसे अब चूनाभट्टी क्षेत्र में स्थानांतरित कर दिया गया है। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राजीव खत्री ने बताया कि 12 फरवरी से कार्यालय आम्रपाली एनक्लेव, जानकी नगर, चूनाभट्टी से संचालित होगा। 16 से 19 फरवरी तक कामकाज पूरी तरह बंद रहेगा। उन्होंने भोपाल सहित सीहोर, विदिशा और रायसेन जिले के पूर्व सैनिकों, वीर नारियों एवं विधवाओं से आग्रह किया है कि वे इस अवधि को ध्यान में रखते हुए ही कार्यालय से संपर्क करें।

एसिड पीने से हुई रोशनी की मौत, पीएम रिपोर्ट में पुष्टि

भोपाल। भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस प्रथम वर्ष की छात्रा रोशनी की संदिग्ध मौत के मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने एसिड पीने से मौत की पुष्टि कर दी है। कोहेफिजा स्थित एक प्राइवेट पीजी के बाथरूम में मिली लाश के पास एसिड की बोतल भी बरामद हुई थी। घटना को लेकर पीजी इंचार्ज और कॉलेज डीन का दावा है कि रोशनी पढ़ाई का स्ट्रेस नहीं झेल पा रही थी और सहेलियों से भी सुसाइड की बातें कर रही थी। पुलिस अब मोबाइल मैसेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर सुसाइड के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर किया नमन, कहा-

पं. दीनदयाल ने देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की

मुख्यमंत्री ने नमो वन में लगाया रुद्राक्ष का पौधा

भोपाल एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जब विश्व में सभी ओर साम्यवाद और समाजवाद की विचारधाराओं का प्रभाव था, तब पं. दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानुकूल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को एकात्म मानववाद और अंत्योदय की कल्याणकारी दृष्टि प्रदान की। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को निरंतरता प्रदान करने का प्रभावी प्रयास था। पं. दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रणेता तथा समर्थ भारत निर्माण के चिंतक थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चिंतक, संगठनकर्ता और भारतीय जनसंघ के सह संस्थापक रहे। दीनदयाल जी का विचार था कि स्वतंत्रता तभी सार्थक होती है, जब वो हमारी संस्कृति की अभिव्यक्ति का साधन बने। उनके विचारों ने समाज के अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति के जीवन में उजास लाने का मार्ग प्रशस्त किया। दीनदयाल जी के विचार भारतीय मानस को सशक्त राष्ट्र और समाज के निर्माण के लिए अपना सर्वस्व समर्पित कर कार्य करने की प्रेरणा देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर लालघाटी स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पं. दीनदायल उपाध्याय की प्रतिमा के निकट विकसित नमो वन का अवलोकन कर रुद्राक्ष का पौधा रोपा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के विचारों के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गरीब-किसान-युवा और महिलाओं कल्याण के साथ सभी को प्रगति के अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार इस दिशा में निरंतर सक्रिय है। पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व में देश का प्रभाव निरंतर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर केश शिल्पियों को उपलब्ध कराई जा रही किट उनके अंत्योदय के विचारों को व्यावहारिक रूप देने का सार्थक प्रयास है। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, महापौर मालती राय समेत रविन्द्र यति जनप्रतिनिधि और स्थानीय नागरिक मौजूद थे।

हमारे देश में व्यक्ति की पूजा नहीं होती हमेशा गुणों की पूजा होती है : तोमर

भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी स्थान होगा पं. दीनदयाल उपाध्याय उद्यान

- बर्राई क्षेत्र में एकात्म मानववाद के जनक की प्रतिमा का अनावरण
- विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ किया सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश

भोपाल एजेंसी

'एकात्म मानववाद' के जनक पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भोपाल के बर्राई क्षेत्र को 11 जनवरी को दो सौगातें मिलीं। विधासनभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर और स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से बने उद्यान की शुरुआत और उनकी प्रतिमा का अनावरण किया। इसके साथ-साथ विद्यार्थियों को सांदीपनि विद्यालय में भी प्रवेश कराया। बच्चों को गुलाब के फूल दिए गए और उन्हें विकसित भारत में योगदान के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों को पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने से परिचित कराया और उनके पद चिन्हों पर चलने के लिए कहा।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारे देश में व्यक्ति की पूजा नहीं होती, हमेशा गुणों की पूजा होती है। इन गुणों के साथ जो व्यक्ति अपना जीवन भारत माता को और इस देश के लोगों को समर्पित करता है, वह हमारे देश में पूजा के योग्य हो जाता है। पं. दीनदयाल उपाध्याय की कद-काठी साधारण थी, उन्होंने गरीब परिवार में जन्म लिया। उन्होंने व्यक्तित्व से, सादा जीवन से, विद्वत्ता से कम समय में भारत माता की जो सेवा की और भारत से जुड़ा जो चिंतन इस धरती को दिया, उसके कारण आज भारत ही नहीं सारी दुनिया उनके चरणों में शीश झुकाती है।

स्कूल शिक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि आज के दिन इस क्षेत्र के लोगों को खुशियां मिलने वाली हैं। इस पार्क को पं. दीनदयाल उपाध्याय के नाम से उद्यान के रूप में जाना जाएगा। उनकी प्रतिमा का आज लोकार्पण हुआ है। यह प्रतिमा आपके लिए आगे आने वाले समय में प्रेरणा का काम करेगी, प्रेरक का काम करेगी। ये पार्क इस क्षेत्र में पर्यावरण की दृष्टि से श्रेष्ठ स्थान होगा, जहां बच्चे-बुजुर्ग-नौजवान, सभी यहां पर सुबह और शाम अपना समय यहां व्यतीत कर सकते हैं। ये उद्यान आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायी स्थान के रूप में जाना जाएगा।

पहले लक्ष्य तय करें

स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय के सपने को पीएम मोदी देश में और हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में सच कर रहे हैं। उस सपने को साकार करने के लिए पीढ़ियां संघर्ष कर रही हैं। हमारे पीएम मोदी कहते हैं कि पहले लक्ष्य तय करो फिर उसे पाने की कोशिश करो। मैं बच्चों से कहूंगा कि जब तक जीवन में आप लक्ष्य तय नहीं करोगे, तब तक उस तक नहीं पहुंच पाओगे। इसलिए पहले तय करो कि हमको कहां जाना है।

ये बच्चे साल 2047 के साक्षी बनेंगे : तोमर ने कहा कि आज यहां सांदीपनि विद्यालय में बच्चों का स्कूल प्रवेश होगा। इस विद्यालय को स्थापित करने की विचारधारा पं. दीनदयाल उपाध्याय का ही चिंतन है, यही सबका साथ और सबका विकास है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की साख मजबूत हो रही है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि ये बच्चे साल 2047 के साक्षी बनेंगे। ये बच्चे विकसित भारत के नागरिक होने का गौरव प्राप्त करेंगे। मध्यप्रदेश सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में जो काम किया है, उसकी जितनी तारीफ की जाए, वह कम है। वहीं विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय भारत के चिंतन को जनमानस तक पहुंचाया, उसे अमर कर दिया। पं. दीनदयाल उपाध्याय के प्राण जनमानस में बसते थे। आज बच्चे सांदीपनि विद्यालय में प्रवेश कर रहे हैं।

सभी विभाग अपने-अपने अमले की गणना कर जल्द करें स्थान का निर्धारण: संभागायुक्त

- आयुक्त एवं कलेक्टर कार्यालय भवन निर्माण की रूपरेखा तय

भोपाल एजेंसी

भोपाल संभाग के आयुक्त संजीव सिंह ने बुधवार को आयुक्त सभागार में आयोजित बैठक में पुनर्घनत्वीकरण योजना के अंतर्गत आयुक्त एवं कलेक्टर कार्यालय भवन निर्माण की रूपरेखा तय करते हुए संबंधित विभागों के लिए स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने अमले की गणना कर आवश्यक स्थान का निर्धारण शीघ्र करें तथा इसके लिए एक जिम्मेदार अधिकारी की नियुक्ति करें, जो निर्माण एजेंसी के साथ सतत समन्वय बनाकर विभागीय आवश्यकताओं के अनुरूप स्थान सुनिश्चित करे।

आयुक्त सिंह ने बताया कि योजना के तहत कलेक्टर कार्यालय भवन के सामने स्थित शासकीय कार्यालयों के स्थान पर नवीन आयुक्त कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय भोपाल, आईजी पुलिस कार्यालय, नजूल अधिकारी बैरागढ़ तथा भोपाल शहर के अन्य कार्यालय भवनों का निर्माण प्रस्तावित है। प्रथम चरण में 15 विभागों को अपने वर्तमान स्थान खाली करने होंगे, ताकि निर्माण कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभाग अपने मुख्यालय स्तर पर शिफ्टिंग की जानकारी उपलब्ध कराएं, जिससे स्थानांतरण की प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि किसी भी नए कार्यालय को शामिल नहीं किया जाएगा और न ही कोई वर्तमान कार्यालय योजना से बाहर रहेगा। कलेक्टर कार्यालय से प्रभावित विभागों की सूची तैयार कर कलेक्टर से समन्वय स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में आयुक्त, गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल चंद्रमौली शुक्ला, सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

मध्यप्रदेश की एमएसएमई इकाइयों ने इंडिया स्टोन मार्ट में की सहभागिता

देश-विदेश से आए क्रेताओं एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों से सार्थक संवाद किया

भोपाल एजेंसी

मध्यप्रदेश की 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने इंडिया स्टोन मार्ट, 2026 जयपुर में सहभागिता कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय स्टोन आधारित प्रदर्शनी 5 से 8 फरवरी तक जयपुर में आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की कुल 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने सहभागिता की, जिसमे ग्वालियर से 6 इकाईयों तंवर स्टोर इंडस्ट्रीज, जैन स्टोन इंडस्ट्रीज, केआर स्टोन इंडस्ट्रीज, महाकाय इंडस्ट्रीज, अभ्युदय इंटरप्राइजेज, श्री साई राम स्टोन, कटनी से दो इकाईयों एमके ग्रेनाइट एवं मार्बल कंपनी तथा श्रीराम मार्बल्स एवं इंदौर द राईट एंगल्स से एक इकाई शामिल है।

सभी चयनित इकाइयों को एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा विभागीय सहयोग प्रदान किया गया।इकाइयों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई। प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए इकाइयों का चयन एमएसएमई विभाग के माध्यम से मुख्यालय स्तर पर किया गया। स्टोन इंडस्ट्रीज के उत्पादों का वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में शामिल होने के साथ उनकी गुणवत्ता, नवाचार क्षमता एवं बाजार संभावनाओं को चयन का आधार बनाया गया। प्रदर्शनी के दौरान उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन किया एवं देश-विदेश से आए क्रेताओं एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों से सार्थक व्यावसायिक संवाद किया।

इस सहभागिता से स्टोन जगत के हितधारकों का परिचय मध्यप्रदेश की विशाल स्टोन धरोहर से हो सका एवं सभी ने मध्यप्रदेश के उत्पादों को सराहा। विजिट स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने, निर्यात संभावनाओं के विस्तार तथा महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। माना जा रहा है कि एमएसएमई विभाग की यह पहल प्रदेश में उद्यमिता, रोजगार सृजन एवं आर्थिक विकास को सशक्त रूप से आगे बढ़ाएगी।

अयोध्या बायपास बन रहा 10 लेन, हटाई जाएंगी झुग्गियां

दुकानें, मकान, धार्मिक स्थल और सरकारी भवन बन रहे बाधा

भोपाल एजेंसी

भोपाल के अयोध्या बायपास को 10 लेन में बदला जा रहा है। इस परियोजना में कई दुकानें, मकान, धार्मिक स्थल और सरकारी भवन बाधा बन रहे हैं, जिन्हें हटाया जा रहा है। केसर बस्ती में भी करीब 90 झुग्गियों को हटाने की तैयारी है। प्रशासन ने परिवारों को नोटिस दिए हैं, लेकिन विस्थापन की उचित व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में मांग उठ रही है कि बिना पुनर्वास के परिवारों को न हटाया जाए। नेशनल हाईवे-146 पर आशाराम तिराहा से रत्नागिरी तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबी 10 लेन सड़क का निर्माण किया जा रहा है। इसी दौरान आनंद नगर में एक फ्लाईओवर भी बनाया जाएगा। इसके लिए सड़क किनारे की 146 दुकानें हटाई जा चुकी हैं। साथ ही तीन धार्मिक स्थलों, एक वार्ड कार्यालय और एक पुलिस चौकी को शिफ्ट किया जा रहा है।

हटेंगी केसर बस्ती की झुग्गियां : सड़क चौड़ीकरण के लिए अब केसर बस्ती की झुग्गियों को हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यहां करीब 90 परिवार रह रहे हैं।

21 किमी के 8 लेन कॉरिडोर को मिली मंजूरी

मध्य प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर परियोजना को एमपी औद्योगिक विकास निगम के संचालक मंडल ने हरी झंडी दे दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस बड़े प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली थी। करीब 21 किलोमीटर लंबे आठ लेन कॉरिडोर पर अनुमानित 2360.11 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। यह कॉरिडोर इंदौर से शुरू होकर पीथमपुर एबी रोड से जुड़ेगा, जिससे औद्योगिक कनेक्टिविटी को नया आयाम मिलेगा।

कांग्रेस नेता रविंद्र साहू झूमरवाला, मोहित सक्सेना और रीतेश सोनी सहित अन्य लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। रविंद्र साहू ने कहा कि ये परिवार लगभग 50 वर्षों से यहां रह रहे हैं। विकास जरूरी है, लेकिन गरीबों को बेघर कर यह कार्य नहीं होना चाहिए। प्रशासन के नोटिस के बाद परिवार चिंतित हैं। उनका कहना है कि न तो उचित मुआवजा मिला है और न ही पुनर्वास की स्पष्ट व्यवस्था की गई है। प्रभावित परिवारों ने पहले पुनर्वास और मुआवजा सुनिश्चित करने की मांग की है।

कार्रवाई पुलिस ने आधी रात कॉम्बिंग गश्त कर बड़ी कार्रवाई को दिया अंजाम

ईरानी डेरे में दबिश, कई अपराधियों समेत पकड़ाए 408 वारंटी

भोपाल एजेंसी

राजधानी भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित अमन कॉलोनी ईरानी डेरे में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी देर रात एक बार फिर भोपाल पुलिस ने दबिश दी है। ईरानी बदमाश गिरोह के सरगना और ईरानी डेरे के सरदार राजू ईरानी की गिरफ्तारी और 14 ईरानी बदमाशों के फर्जी जमानतदार से जमानत कराने के बाद यह पहली बड़ी कार्रवाई है।

यह पूरी कार्रवाई भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार के निर्देशन में की गई है। कार्रवाई को इतना गोपनीय रखा गया कि ईरानी डेरे में कार्रवाई के लिए जोन-4 के डीसीपी मयूर खंडेलवाल को 400 पुलिसकर्मियों के साथ पुलिस लाइन से बदमाशों को हिरासत में लेने के लिए बड़े वाहन उपलब्ध कराए गए थे। कार्रवाई आधी रात से शुरू हुई, जब सभी बदमाश अपने-अपने घरों में सो रहे थे। कॉलोनी में पूरी तरह से सन्नाटा पसरा हुआ था। सुबह छह बजे से पहले पूरी कार्रवाई संपन्न कर ली गई। कुछ विरोध भी हुआ, लेकिन पुलिस की रणनीति के आगे ईरानी डेरे के बदमाशों और उनके परिजनों की एक नहीं चल सकी। ईरानी डेरे के साथ पूरे शहर में बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

जानकारी के अनुसार कॉम्बिंग गश्त में 283 स्थायी वारंटी, 125 गिरफ्तारी वारंटी समेत 408 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। गंभीर मामलों में फरार आरोपी, पूर्व वाहन चोर, नकबजन, जिला बदर समेत 21 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। बीती देर रात हुई कॉम्बिंग गश्त में

आठ ऐसे अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया है, जो विभिन्न अपराधों में फरार थे और उनके खिलाफ इनाम घोषित था। कॉम्बिंग गश्त में ऐशबाग पुलिस द्वारा गोवंश मामले में फरार पांच हजार के इनामी आरोपी मोहम्मद अमन पिता मोहम्मद जब्बार (25) को गिरफ्तार किया गया। अशोका गार्डन पुलिस ने दो हजार के ईनामी बदमाश को पकड़ा है।

66 निगरानी बदमाशों से पूछताछ : कॉम्बिंग गश्त के दौरान डीसीपी जोन-4 मयूर खंडेलवाल के नेतृत्व में 2 एडिशनल डीसीपी, 9 एसीपी, 20 टीआई एवं 400 के बल के द्वारा थाना निशातपुरा स्थित अमन कॉलोनी के कुख्यात ईरानी डेरे पर घेराबंदी कर दबिश दी गई। दबिश के दौरान बड़ी संख्या में ईरानी डेरे से अपराधी पकड़े जाने की सूचना है। कुल कितने अपराधी ईरानी डेरे से किन-किन मामलों में पकड़े गए हैं, इस संबंध में पुलिस आयुक्त कुछ घंटे बाद मीडिया को जानकारी देंगे।

यह की गई कार्रवाई

स्थायी वारंटी-283 गिरफ्तार
गिरफ्तारी वारंटी- 125 तामील किए गए
जमानतीय वारंटी - 121 तामील किए गए
5 पूर्व वाहन चोर पकड़े गये
2 पूर्व नकबजन पकड़े गए
4 जिलाबदर पकड़े गए

आज 25 इलाकों में घंटों गुल रहेगी बिजली

भोपाल एजेंसी

शहर के करीब 25 प्रमुख रहवासी और व्यावसायिक इलाकों में गुरुवार को बिजली कंपनी द्वारा आवश्यक मेंटेनेंस कार्य किया जाएगा, जिसके चलते 2 से 7 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। विद्युत कटौती का मुख्य असर हर्षवर्धन नगर, राजवैध कॉलोनी, बंजारी, द्वारकापुरी, और इतवारा रोड जैसे क्षेत्रों में देखने को मिलेगा।

शेड्यूल के अनुसार, राजवैध एच-सेक्टर में सुबह 10 से शाम 4 बजे तक, गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक, जबकि हर्षवर्धन नगर और आकाशवाणी जैसे क्षेत्रों में दोपहर 12:30 से शाम 4:30 बजे तक सप्लाई बंद रहेगी। इसके अतिरिक्त इतवारा रोड और आजाद मार्केट में भी दोपहर 1 से 3 बजे तक बिजली गुल रहेगी। विभाग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपने बिजली से जुड़े जरूरी काम निपटा लें ताकि कटौती के दौरान होने वाली असुविधा से बचा जा सके।

हिंदी दैनिक
जनलोक मंथन संदेश
RNI - MPHIN/2017/71673
E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20/22
समाचार का निचोड़

मौसम भले बदले लेकिन खानपान पर हो ध्यान

बचपन के दिन मौज-मस्ती और शैतानी वाले होते हैं। इन्हीं दिनों में शरीर का विकास भी होता है, इसलिए बच्चों के खानपान पर समुचित ध्यान देना बहुत जरूरी हो जाता है। मौसम में जब बदलाव हो रहे हों तब इस संदर्भ में अभिभावकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।
खासकर बारिश में जब खाद्य पदार्थों से संक्रमण के कारण सबसे ज्यादा समस्याएं पैदा होती हैं। कारण है इस मौसम में चटपटा, तला-भुना फास्ट फूड खाने के लिए बच्चों का ज्यादा मन होना। अक्सर बच्चे स्कूल जाने से पहले नाश्ता नहीं करते और स्कूल जाकर कैंटीन में दावत उड़ाते हैं। यह वैसे भी कोई अच्छी बात नहीं है, ऊपर से बारिश की घिच-पिच ऐसे में तमाम किस्म के इंफेक्शन को सीधा बुलावा देती है।

नाश्ता तो करना ही है

चाइल्ड स्पेशलिस्ट बताते हैं कि मौसम कोई भी हो, बच्चों को सुबह का नाश्ता करने के लिए अवश्य प्रोत्साहित करें। ज्यादातर बच्चे स्कूल जाने से पहले अच्छी तरह नाश्ता नहीं करते। यह सेहत के लिए बुरी बात है। बच्चे को दिन में तीन मुख्य आहार और दो से तीन बार स्नैक्स जरूर देने चाहिए। स्नैक्स का सबसे अच्छा विकल्प फल और ड्राई फ्रूट्स हो सकते हैं जबकि इन दिनों माएं बच्चों को खुश करने के लिए जंक फूड और फास्ट फूड देकर जिम्मेदारी पूरी कर लेती हैं।

समर सीजन में स्टनिंग दिखने के लिए इन पांच स्टाइल के आउटफिट्स जरूर करें ट्राई

समर सीजन के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करने का टाइम आ गया है। गर्मियों के हिसाब से हम आपको ऐसे ड्रेसिंग टिप्स दे रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप स्टाइलिश दिख सकती हैं। साथ ही अगर आपने इन आउटफिट्स को कभी ट्राई नहीं किया है, तो यह समर आपके फैशन स्टेटमेंट को बदलने के लिए सबसे परफेक्ट है।

टाइअप, वाइड, हाइ वेस्ट ट्राउजर्स

इस साल टाइअप ट्राउजर्स का जबर्दस्त चलन देखने को मिला, ऐसे में आप कलरफुल टाइअप ट्राउजर के साथ स्टाइलिश नजर आ सकती हैं। सबसे खास बात यह है कि यह लुक आप ऑफिस के साथ कैजुअली भी कैरी कर सकती हैं।

प्लीटेड स्कर्ट

प्लीटेड स्कर्ट पहनने में काफी आरामदायक होने के साथ आपको क्लासी लुक देती है।आप शर्ट के साथ भी प्लीटेड स्कर्ट पहन सकती हैं, वहीं ट्रिप पर जाते हुए आप आप टीशर्ट के साथ भी इसे पहन सकती हैं।

स्ट्रिप ड्रेस

स्ट्रिप वाली ड्रेस पहले ऑफिस लुक के लिए सबसे अच्छी मानी जाती थी लेकिन बदलते वक्त में स्ट्रिप ड्रेस को डेनिम शॉर्ट के साथ भी कैरी किया जाने लगा। इस साल भी यह फैशन ट्रेंड लोगों के बीच काफी पॉपुलर हुआ।

सीक्वेन साड़ी

हम ड्रेसेस की चर्चा कर रहे हो और सीक्वेन साड़ी के बारे में बात न हो, यह कैसे हो सकता है।ऐसे में सीक्वेन साड़ी को आप पार्टी में ट्राई कर सकते हैं। यह काफी खूबसूरत नजर आती हैं।

रफल

इस साल रफल लुक का बोलबाला रहा। बॉलीवुड सेलिब्रिटीज ने रफल साड़ी, रफल टॉप, रफल ब्लाउज सोशल मीडिया पर जमकर फ्लॉन्ट किया। आप आने वाले साल में यह स्टाइल भी कैरी कर सकती हैं।

पैक्ड फूड कितना अच्छा, कितना बुरा?

बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है।

खानपान के तौर-तरीकों में आते बदलाव हमारे जीवन और शरीर को किस तरह प्रभावित कर रहे हैं यह हम जान ही नहीं पाते। व्यस्तता की वजह से रोजमर्रा की चीजों के अलावा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई हैं हमारे खानपान की आदतें। काम की थकान ज्यादा हो गई तो चलो बाहर से कुछ खा लें। जल्दबाजी में नाश्ता नहीं किया तो कुछ पैक्ड फूड ले लेते हैं। ऐसा माहौल और बातें अब आम हो चुकी हैं।
बच्चों के लंचबॉक्स से लेकर रात की पार्टी के खाने तक पैक्ड फूड का दायरा बढ़ता जा रहा है। इस पैक्ड फूड ने जहां हमारी जिंदगी को थोड़ा-सा आसान बनाया है, वहीं हमारे खाने की आदतों को काफी हद तक बिगाड़ भी दिया है। कभी-कभी हम इस ऑप्शनल फूड पर कुछ ज्यादा ही निर्भर हो जाते हैं। ऐसा करना सेहत के लिए कितना नुकसानदेह है, इस बात का हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। क्या हैं इसके फायदे और नुकसान।

अच्छा भी है पैक्ड फूड

पैक्ड फूड सरल और जल्दी इस्तेमाल में लाया जाने वाला खाना है। कई बार इस तरह के खाद्य पदार्थों को बहुत अच्छी तरह से पकाया जाता है, जिससे खाने की गुणवत्ता बनी रहती है। फ्रोजन फूड जैसे कि फल और सब्जियां ताजे फल और सब्जी जितना ही पोषण लिए होती हैं। पहले से तैयार और रेडी टू ईट फूड को तैयार करने में समय कम लगता है। पैक्ड फूड में कई बार विटामिन और फाइबर की अतिरिक्त मात्रा होती है।

सेहत के लिए अच्छे पैक्ड फूड

- ऐसे फ्रोजन फल और सब्जियां जिनमें शुगर, सीरप और सॉस न हों।
- नॉन फैट मिल्क
- ड्राई फ्रूट, ओटमील और आटा ब्रेड
- भुने हुए नट्स और बीज
- अनाज से तैयार नाश्ते के पदार्थ जैसे सीरियल्स और म्यूजली
- फ्रोजन सी फूड

पैक्ड फूड की खामियां

बहुत ज्यादा केमिकल इस्तेमाल होने की वजह से ऐसे खाद्य पदार्थ सेहत के लिए नुकसानदेह होते हैं। कई तरह के पैक्ड फूड जैसे सब्जियां और सूप में सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है। बहुत सारी दिखावटी सामग्री का उपयोग होता है। फ्रेश न होने के कारण ऐसे खाद्य पदार्थों में पोषक तत्वों की कमी होती है। पैक्ड फूड में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है।

- इन पैक्ड फूड को कहें ना
- ज्यादा नमक वाले
- डिब्बाबंद फूड, रेडी टू ईट
- पैक्ड केक और कुकीज
- हाई कैलरी फूड जैसे-चिप्स और कैंडी

लेबल पर जरूर दें ध्यान
पैक्ड फूड खरीदते समय कुछ जरूरी बातों का हमेशा ध्यान रखें। जिन खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट मौजूद हों उन्हें लेने से बचें। ऐसे पैक्ड फूड पर जरूर ध्यान दें जिनमें नमक बिल्कुल न हो। ऐसे डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ सेहत को नुकसान नहीं पहुंचाते।
अगर किसी भी सामग्री में शुगर, हाई फ्रक्टोज कॉर्न सीरप और नमक मौजूद हो तो इनका इस्तेमाल कम करें। पैक्ड फूड खाने में कोई बुराई नहीं है लेकिन हमेशा इन्हें लेने से पहले न्यूट्रीशियस फैक्ट्स जरूर चेक करें। इससे आपको उसकी गुणवत्ता का पता चल जाएगा।

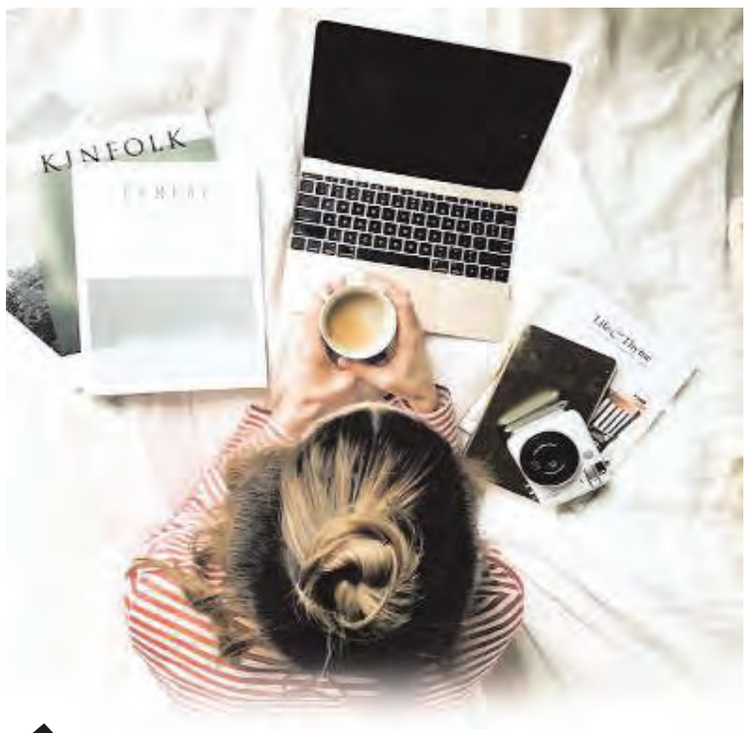

वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

थोड़ा-सा बदलाव कर खुद को करें अपडेट

आप घर से ऑफिस और ऑफिस से घर तक ही सीमित रह गई हैं? अगर जवाब 'हां' में है तो कुछ बातों को जीवन में उतारकर अपनी पुरानी-सी और एक ही ढर्रे पर चलने वाली जिंदगी को बाय-बाय करना होगा। वक्त के अनुसार खुद को अपडेट करना जरूरी है, वर्ना जमाना आगे निकल जाएगा और आप सोचती ही रह जाएंगी। सकारात्मक सोच और रोजाना की दिनचर्या में थोड़ा-सा बदलाव करके आप मॉडर्न दिखने के साथ ही समय के साथ भी चल सकेंगी।

कुछ जरूरी टिप्स

कामकाजी स्त्री के लिए मॉर्निंग वॉक पर जाना थोड़ा कठिन जरूर होता है लेकिन अपने आप को फिट रखने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। दिनभर में कम से कम 30-35 मिनट अपने लिए जरूर निकालें। सुबह की सैर करने से मन में ताजगी आती है और दिनभर काम करने की ऊर्जा मिलती है। यदि मॉर्निंग वॉक पर न जा सकें तो योग और व्यायाम से भी चेहरे की चमक और रौनक हासिल की जा सकती है।
भड़कीले रंगों या ज्यादा एंब्रॉयडरी वाले कपड़ों को पार्टी या इवेंट्स के लिए ही रखें। अपने वॉर्डरोब में रोज में पहनने वाले सिंपल और कंफर्टेबल आउटफिट्स की संख्या बढ़ाएं। फैशन ट्रेंड्स को फॉलो करना सही है, लेकिन वही पहनें जिसमें सहज रह सकें।
घर हो या ऑफिस, दोनों जगह जो बात जीवंत और प्रसन्ना बनाए रख सकती है, वह है- ज्ञान या नॉलेज। खुद को समय के साथ चलने लायक बनाना है तो रोज कम से कम एक समाचार पत्र पढ़ें, पत्रिकाएं लें, साथ ही सोशल गैदरिंग का हिस्सा बनें। नौकरी करती हों या होम मैनेजर हों, खुद को हमेशा सीखने के लिए तैयार रखें। चेहरे की रौनक बनाए रखने के लिए भरपूर मात्रा में पानी और तरल पदार्थ लें। भोजन पौष्टिक हो। इसके अलावा 6 से 8 घंटे की नींद लें, ताकि चेहरा थका-थका सा न लगे।
अगर मानसिक थकान हो तो बच्चों के साथ खेलें, उनसे बात करें, संगीत सुनें या फिर बागवानी जैसे काम करें। इन कार्यों से थकान गायब होती है और कुछ क्रिएटिव करने का सुकून भी मिलता है। घर या ऑफिस में कई उलझनें अक्सर परेशान करती हैं। कई बार खुद तक सीमित रखने से मन की उलझनें बढ़ती जाती हैं। ऐसे में किसी दोस्त या भरोसेमंद व्यक्ति से अपनी बात शेयर करें। हो सकता है कि जिस समस्या का हल आपको न मिल पा रहा हो, उसका कोई हल उसके पास हो।
वीकेंड पर घर में अकेले बैठे रहने के बजाय बच्चों के साथ पार्क जाएं, पिकनिक करें, दोस्तों-रिश्तेदारों से मिलने जाएं या घर पर ही किसी को आमंत्रित करें। इससे दिनचर्या की एकरसता टूटेगी और नई ऊर्जा भी मिलेगी।
सादगी में एक खूबसूरती छिपी है लेकिन कभी-कभी हल्का मेकअप करना, खुद को अच्छी तरह संवारना भी जरूरी है। अपना पर्सनल स्पेस निकालें और महीने-दो महीने में एक बार फेशियल कराएं या स्पा लें। इससे स्ट्रेस दूर होगा और चेहरे की मसाज होने से थकान भी कम होगी।
अपने आसपास के माहौल के प्रति जागरूक रहें। पड़ोस में रहने वाले लोगों से संपर्क बनाए रखें और अपनी सोसाइटी की आरडब्ल्यूए के कार्यक्रमों में भागीदारी करें। इससे सामाजिक व्यवहार बना रहेगा और किसी मुश्किल वक्त में पड़ोस के लोग काम भी आएंगे।
अगर घर में रहते हुए कुछ करना चाहती हैं तो अपने समय से एक-दो घंटे निकालें और बच्चों को पढ़ाएं। हो सकता है, आसपास कुछ बच्चों को आपकी जरूरत हो। अपनी शिक्षा का इस्तेमाल उन्हें पढ़ाने में करें। आपका समय भी अच्छा बीतेगा, नया ज्ञान भी मिलेगा और बच्चों का भविष्य भी संवरेगा।
जीवन में कभी आशा का दामन न छोड़ें। हर हाल में खुश रहें, सकारात्मक नजरिया बनाए रखें। आगे बढ़ने की यह जरूरी शर्त है।

स्मार्ट होम स्मार्ट मैनेजर

मॉम मैंने आज बिरयानी बनाई, घर में सभी को पसंद आई। सब बहुत तारीफ कर रहे थे। हाल ही में शादी के बाद ससुराल में रह रही अपनी बेटी ईशा की चहकती आवाज सुनकर अमृता के कानों में जैसे शहद घुल गया। वह सोचने लगीं कि ईशा को तो किचन के काम करने की बिल्कुल आदत नहीं है।

हॉस्टल में रहने और हर वक्त पढ़ाई के दबाव में वह किचन का कोई काम कहां सीख पाई थी। फिर उसे कठिन बिरियानी बनाना किसने सिखाया? तुम्हें बिरियानी बनाने का तरीका भी पता है? जवाब मिला, 'ओह मॉम, आप भी, मैंने फोन पर रेसिपी खोज ली थी, उसे साथ में रखा और जैसा उसमें लिखा था, वैसा बनाती गई और अच्छी बिरियानी तैयार हो गई। घर में सभी को स्वाद अच्छा लगा।'

ऑफिस में हिट, किचन में फिट

अमृताजी को लगा कि बेटी उनसे ज्यादा सयानी हो गई है। वह बेकार ही सालों तक चिंता में घुलती रहीं कि ईशा ने किचन में इंट्रेस्ट नहीं लिया, पता नहीं ससुराल में क्या करेगी? लेकिन उनकी इंजीनियर बेटी ऑफिस में भी हिट है और घर के किचन में भी फिट है। ऑफिस में उसकी रेटिंग एक्सीलेंट है और घर का हर सदस्य भी उसके व्यवहार और काम करने के तरीके की तारीफ करता है।
उन्हें गर्व महसूस हुआ अपनी बेटी पर। वह जान गईं कि आज की स्मार्ट लड़कियों को पता है कि कौन-सी चीज कहां, कब और कैसे इस्तेमाल करना है। आज ईशा जैसी स्मार्ट लड़कियां टेक्नोलॉजी और कम्यूनिकेशन रिवॉल्यूशन का फायदा स्मार्ट होम मैनेजमेंट के लिए कर रही हैं। वे घर के कामों को कम टाइम में बेहतर तरीके से मैनेज कर रही हैं। मां की मोटी रेसिपी डायरी या छपी किताबों की जगह ब्लॉग, वेबसाइट और सोशल साइट्स ने ले ली है। इन पर ढेरों जानकारियां हैं और वे इसका बुद्धिमानी से फायदा उठा रही हैं।

सब डिजिटल है

आजकल अचानक मेहमान घर पर आ जाएं तो हाथ-पैर नहीं फूलते कशिश के। वह झट से ऐसा मेनू बनाती हैं जिसमें उनके बनाए घर के आइटम के साथ होम डिलीवरी पर मंगा सकने वाली रेडिमेड चीजें भी होती हैं। सिलेक्शन में इंटरनेट भी मदद करता है। जब तक उनका ऑर्डर किया सामान आता है तब तक वह घर के स्मार्ट गैजेट्स की मदद से कुकिंग कर लेती हैं और मेहमान की खातिरदारी की तैयारी भी पूरी हो जाती है। घर का सामान, सब्जियां यहां तक कि सास-ससुर की दवाइयां तक वह होम डिलीवरी से मैनेज कर लेती हैं। इससे बाजारों के चक्कर तो बचते ही हैं साथ में समय की बचत भी हो जाती है।

स्मार्ट फोन है हथियार

'मुझे जो भी काम जिस दिन भी, जिस समय भी करना होता है तो तुरंत फोन पर रिमाइंडर लगा लेती हूं। जिससे चूक नहीं होती। घर का जो भी सामान खत्म हो जाता है या जो काम पेंडिंग हो जाते हैं उनकी लिस्ट फोन पर नोट्स में बनाती जाती हूं। जब मार्केट जाती हूं तो लिस्ट साथ ही होती है और आसानी से सारे काम हो जाते हैं''। जी हां, अपने हर काम को बेहतर प्लानिंग और स्मार्ट तरीके से अंजाम देती हैं वंदना। उनके हाथ का स्मार्ट फोन उनके स्मार्ट होम मैनेजमेंट का हथियार है। वंदना कहती हैं-'प्लानिंग जरूरीहै और जब हम वर्किंग हैं, कई-कई घंटे काम पर रहते हैं तो एक्यूरेट प्लानिंग ही हमें सक्सेसफुल बना सकती है'।

प्लानिंग वीकएंड की

वीकएंड का स्मार्ट प्लान बनाती हैं न्यूएज गर्ल्स। इनका मानना है कि घर और ऑफिस में बैलेंस बनाने के लिए फ्रेश रहना बहुत जरूरी है ताकि ऑफिस में भी बेस्ट दे सकें और घर में भी टाइम दे सकें। घर और दफ्तर मैनेज करने के लिए वे प्लानिंग पर बराबर ध्यान देती हैं। जिसमें उनकी पर्सनल केयर की जरूरतें भी शामिल होती हैं। मूवी एंजॉय कर फैमिली के बीच समय बिताने का पूरा मजा लेना भी जानती हैं वे।

हिंदी दैनिक
जनलोक मंथन संदेश
RNI - MPHIN/2017/71673
E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20/22
समाचार का निचोड़

ब्रीफ न्यूज

अब ज्यादा भारतीय कृषि उत्पाद होंगे निर्यात, अमेरिकी बाजार में बिना शुल्क मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। अब भारत अपने कृषि उत्पादों का अमेरिका में ज्यादा निर्यात कर सकेगा। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि निर्यात को बढ़ाने में अमेरिका के साथ कृषि व्यापार के मौजूदा अधिशेष से मदद मिलेगी। भारत का वर्ष 2024 में समुद्री उत्पादों को हटाकर कृषि निर्यात 3.4 अरब डॉलर रहा जबकि आयात 2.1 अरब डॉलर था। भारत-अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते के तहत भारत को करीब 46 अरब डॉलर के अमेरिकी आयात बाजार में बिना शुल्क के प्रवेश मिला है। शुल्क-मुक्त उत्पाद का पहले से ही भारत से अमेरिका के आयात में करीब 1.4 अरब डॉलर का हिस्सा हैं। इनमें मसाले, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, फल, चाय, कॉफी और जरुरी तेल हैं। भारत को 160 अरब डॉलर के आयात बाजार के लिए 18 फीसदी पारस्परिक शुल्क पर वरीयता पहुंच भी मिलेगी, जो निकट भविष्य में निर्यात की अपार संभावनाओं को दर्शाता है।

मुकेश अंबानी की रिलायंस कंज्यूमर ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध मान्ना का किया अधिग्रहण

मुंबई। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट ने तमिलनाडु की प्रसिद्ध मान्ना का अधिग्रहण किया है। रिलायंस ग्रुप की तरफ से इसकी जानकारी मंगलवार को दी गई है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का पोर्टफोलियो मान्ना के अधिग्रहण के बाद फूड सेगमेंट में और मजबूत हो जाएगा। आरसीपीएल के सेगमेंट में धायम, इंडिपेंड और सिल शामिल है। बता दें आरसीपीएल की मौजूदगी मोटा आनाज आधारित हेल्थ फूड सेगमेंट में बढ़ा है। बता दें पिछले दो दशक से हेल्ख फोक्सड प्रोडक्ट्स सेगमेंट में मान्ना एक अग्रणी उत्पादक बना हुआ है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि मान्ना की तमिलनाडु सहित अन्य पड़ोसी राज्यों में काफी मजबूत स्थिति है। बता दें मान्ना का अधिग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय ग्राहकों को रुझान मोटा अनाज आधारित भोजन की तरफ बढ़ा है। सरकार भी इसको खूब बढ़ावा दे रही है। रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड के डायरेक्टर कहा कहना है कि तमिलनाडु में मान्ना एक हेल्थ फोकस्ड विश्वसनीय ब्रांड है। कंपनी मोटा आनाज आधारित प्रोडक्ट्स, बेवरेजेज और बेबी फूड्स बेचती है। कंपनी ओट्स, वुमेन्स हेल्थ ड्रींक, आटा प्रोडक्ट बेचती है।

भारत में ओप्पो के14एक्स कल होगा लॉन्च

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी ओप्पो 10 फरवरी को भारत में ओप्पो के14एक्स लॉन्च करने जा रही है। इसके बाद स्टैंडर्ड मॉडल ओप्पो के14एक्स भी चर्चा में है। ओप्पो कंपनी भारतीय बाजार में अपने स्मार्टफोन पोर्टफोलियो को तेजी से विस्तार दे रही है। हाल ही में ओप्पो के14 ब्लूटूथ एसआईजी सर्टिफिकेशन साइट पर दिखाई दिया है, जिससे यह साफ संकेत मिल रहा है कि यह फोन जल्द ही भारत में दस्तक दे सकता है। लिस्टिंग में फोन का मॉडल नंबर सीपीएच2869 दर्ज है, जबकि के14एक्स का मॉडल नंबर सीपीएच2871 है।

एआई का इस्तेमाल कर बनाई गई सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना होगा

तीन घंटे के अंदर हटाएं सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक कंटेंट, सरकार ने घटाई समयसीमा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि आगामी 20 फरवरी से सोशल मीडिया और इंटरनेट मध्यवर्ती कंपनियों को दिक्कत देने वाली सामग्री को तीन घंटे के अंदर हटाना होगा। अब तक इसके लिए 36 घंटे का समय दिया जाता था। मध्यवर्तियों को अपने प्लेटफॉर्म से गैर सहमति वाली अंतरंग तस्वीरों को 24 घंटे के बजाय दो घंटे के अंदर हटाना होगा। मंत्रालय ने इन बदलावों को सूचना प्रौद्योगिकी नियम, 2021 में संशोधनों के रूप में शामिल किया है। यह बदलाव इसलिए किया गया क्योंकि मंत्रालय को ऐसे फीडबैक मिले थे कि संवेदनशील सामग्री को हटाने के लिए 24 घंटे और 36 घंटे की अवधि बहुत ज्यादा है जिसके चलते कंटेंट के प्रसार को रोक पाना मुश्किल होगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कंपनियों को अब आपत्तिजनक सामग्री को ज्यादा तेजी से हटाना होगा। मंत्रालय ने मंगलवार को अधिसूचित ताजा संशोधनों में कहा है कि जो प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को एआई का इस्तेमाल करके सामग्री बनाने की इजाजत देते हैं उन्हें ऐसी सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना होगा कि यह सामग्री कृत्रिम ढंग से तैयार की गई है। ऐसी सामग्री को स्थायी मेटाडेटा या अन्य पहचान के माध्यमों से जोड़ना होगा ताकि ऐसी सामग्री के मूल स्रोत का पता लगाया जा सके।

मंत्रालय ने कहा है कि यह कोई भी ऑडियो, दृश्य या ऑडियो-विजुअल जानकारी हो सकती है, जिसे कंप्यूटर संसाधन का उपयोग करके कृत्रिम या एल्गोरिदम से बनाया, उत्पन्न, संशोधित या परिवर्तित किया गया हो, इस प्रकार कि वह वास्तविक, प्रामाणिक या सत्य प्रतीत हो। मंत्रालय ने एआई का इस्तेमाल करके 'सद्भावना' में की गई सामग्री संपादन को इसकी परिभाषा से बाहर रखा है। नवीनतम अधिसूचित संशोधनों में यह भी कहा गया है कि जैसे ही किसी मध्यस्थ को यह ज्ञात होता है कि उसके साधनों का दुरुपयोग करके ऐसी सामग्री को बनाया, होस्ट या प्रसारित किया जा रहा है, उसे ऐसे कंटेंट को प्लेटफॉर्म पर मौजूद होने से रोकने के लिए 'उचित' और 'उपयुक्त' तकनीकी उपाय लागू करने होंगे। दिल्ली की लॉ फर्म के साझेदार ने कहा कि नए संशोधन मसौदे की तुलना में ज्यादा व्यापक हैं। उन्होंने कहा कि इससे अनुपालन का स्तर काफी ऊंचा हो जाता है। बड़े प्लेटफॉर्मों के लिए इन समय सीमाओं को बड़े पैमाने पर पूरा करना परिचालन रूप से चुनौतीपूर्ण होगा।

लोगों के मन में डर और कन्फ्यूजन कम करने सरकार बना रही नया इनकम टैक्स एक्ट

बदलाव अचानक नहीं होंगे, धीरे-धीरे नए सिस्टम की तरफ बढ़ेगा, 1 अप्रैल से होगा लागू

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इनकम टैक्स को लेकर लोगों के मन में डर और कन्फ्यूजन को कम करने की सरकार तैयारी कर रही है। सरकार जल्द ही नए इनकम टैक्स नियमों को नोटिफाई करने वाली है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ये नियम मार्च के पहले हफ्ते में जारी हो सकते हैं। साथ ही नया नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू हो जाएगा। बता दें नया इनकम टैक्स एक्ट पहले ही पास हो चुका है, लेकिन आम लोगों के लिए असली तस्वीर इन नियमों से ही साफ होगी। सैलरी पाने वाले कर्मचारियों से लेकर निवेशकों और विदेश से कमाई करने कमाने वालों तक, सभी को इन्हीं नियमों के आधार पर अपने टैक्स की प्लानिंग करनी होगी।

सरकार का दावा है कि बदलाव अचानक नहीं होंगे। धीरे-धीरे नए सिस्टम की तरफ बढ़ा जाएगा, ताकि टैक्सपेयर्स पर बेवजह का दबाव न पड़े। आने वाले नियम तय करेंगे कि टैक्स सिस्टम कितना आसान और पारदर्शी है। नए नियमों के साथ टैक्स सिस्टम में बड़ा बदलाव आने वाला है। पुराना फाइनेंशियल ईयर और असेसमेंट ईयर वाला सिस्टम अब खत्म हो जाएगा। अब 'टैक्स ईयर' की बात होगी, जो आमतौर पर 1 अप्रैल से 31 मार्च तक रहेगा। ये बदलाव धीरे-धीरे आएगा, मतलब पहले कमाए हुए इनकम पर रिटर्न फाइलिंग में कोई बड़ा झटका नहीं लगेगा। सरकार का मकसद साफ-सुथरा और आसान सिस्टम बनाना है। नियम 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे, लेकिन पहले साल के रिटर्न बाद में जुलाई 2027 में फाइल होंगे। इससे टैक्सपेयर्स को अचानक बदलाव का बोझ नहीं पड़ेगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सैलरी पाने वाले लोगों के लिए सबसे अच्छी खबर ये है कि नए नियमों में पर्क्स यानी नौकरी के साथ मिलने वाले फायदों पर साफ नियम बन रहे हैं। जैसे कि कंपनी की तरफ से फ्री या सस्ता घर, कंपनी कार और ड्राइवर, बिजली-पानी-गैस के बिल, क्लब मेंबरशिप, गिफ्ट्स और वाउचर्स आदि पर टैक्स कैसे लगेगा, ये सब साफ होगा। खास तौर पर गिफ्ट्स और वाउचर्स पर नियम साफ हैं। अगर कर्मचारी की तरफ से साल भर में गिफ्ट, वाउचर या टोकन 15,000 रुपए तक हैं, तो टैक्स नहीं लगेगा। इससे ज्यादा हुआ तो टैक्स लगेगा। पहले ये लिमिट कम थी और काफी कन्फ्यूजन रहता था। अब ये यूनिफॉर्म हो जाएगा, जिससे छोटे-मोटे फायदों पर टैक्स के झगड़े कम होंगे। कंपनी अगर ट्रैवल, होटल या क्रेडिट कार्ड के खर्चे रिम्बर्स करती है, तो वो टैक्स फ्री रहेंगे बशर्ते वो ऑफिशियल काम के हों, लेकिन रिकॉर्ड्स जरूरी हैं। अगर पर्सनल खर्चे साबित हुए या कागजात नहीं तो टैक्स लग सकता है। मेडिकल बेनिफिट्स पर राहत बरकरार रहेगी। गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, हार्ट डिजीज के इलाज पर अप्रूव्ड हॉस्पिटल में खर्च होने पर टैक्स राहत मिलेगी। इससे सैलरीड लोगों और उनके परिवारों को बड़ी मदद मिलेगी। शेयर बाजार या प्रॉपर्टी में निवेश करने वालों के लिए भी अच्छी खबर है। नए नियमों में एसेट्स की होल्डिंग पीरियड कैसे कैलकुलेट होगी, खासकर स्पेशल केस में, और अनलिस्टेड शेयर्स की फेयर मार्केट वैल्यू कैसे तय होगी, ये सब क्लियर होगा।

इससे कोर्ट-कचहरी के केस कम होंगे और निवेशकों को ज्यादा यकीन आएगा। नॉन-रेजिडेंट्स और विदेशी कंपनियों के लिए भी नियम साफ हैं। डिजिटल बिजनेस या ऑनलाइन इनकम पर टैक्स कैसे लगेगा, ये तय होगा। ज्यादातर भारतीय टैक्सपेयर्स पर सीधा असर नहीं, लेकिन क्रॉस-बॉर्डर ट्रांजेक्शन में पारदर्शिता बढ़ेगी। एक्सपर्ट्स कहते हैं कि मार्च में नियम आने से सैलरी स्ट्रक्चरिंग, टैक्स प्लानिंग और कंप्लायंस आसान हो जाएगा। लोग पहले से समझ सकेंगे कि क्या बदल रहा है। टैक्स एक्सपर्ट के मुताबिक अभी फाइनल नोटिफिकेशन का इंतजार करें, लेकिन पर्क्स पर नजर रखें, रिम्बर्समेंट के कागजात संभालकर रखें, निवेश के डॉक्यूमेंट्स चेक करें और मार्च में आने वाली ऑफिशियल खबरों पर नजर बनाए रखें।

माइक्रो-एसयूवी टाटा पंच ईवी का फेसलिफ्ट वर्जन 20 को होगा लांच

एजेंसी ■ नई दिल्ली

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी माइक्रो-एसयूवी टाटा पंच ईवी के फेसलिफ्ट वर्जन को आगामी 20 फरवरी 2026 को लॉन्च कर रही है। नए मॉडल में एक्सटीरियर और इंटीरियर दोनों में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, जबकि पावरट्रेन पहले जैसा ही रखा गया है।

कंपनी पहले ही इसका अपडेटेड मॉडल अनवील कर चुकी है, जिससे ग्राहकों में उत्सुकता और बढ़ गई है। उम्मीद की जा रही है कि फेसलिफ्ट मॉडल की कीमत मौजूदा वेरिएंट्स से अधिक होगी। सबसे बड़ा बदलाव इसके फ्रंट डिजाइन में दिखता है। नई पंच ईवी में क्लोज्ड-ऑफ ग्रिल दी गई है, जो इसे एक विशिष्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी लुक देती है। पिछले मॉडल की तरह हेडलाइट्स को जोड़ने वाला काला ट्रिम अब हटा दिया गया है। एलईडी डीआरएल लाइट बार को भी रिमूव कर दिया गया है, जिससे फ्रंट फेस और भी साफ और आकर्षक नजर आता है। नीचे की ओर हल्के बदलाव किए गए हैं, जिनमें नया स्कफ प्लेट डिजाइन शामिल है।रिपोर्ट्स के मुताबिक, फेसलिफ्ट मॉडल में 12.3 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया जाएगा, जो नेक्सॉन ईवी से लिया गया है। नया अपहोल्स्ट्री थीम और लेवल-2 अडास फीचर्स शामिल होने की भी संभावना है।

इसके अलावा 360 डिग्री कैमरा, 10.25 इंच डिजिटल क्लस्टर, वायरलेस चार्जिंग, वेंटिलेटेड सीटें और एम्बिएंट लाइटिंग जैसे फीचर्स बरकरार रहेंगे। मौजूदा मॉडल की तरह ही इसमें 25केडब्ल्यूएच और 35केडब्ल्यूएच बैटरी पैक के विकल्प मिलेंगे। छोटा पैक 265 किमी रेंज और 82एचपी पावर देता है, जबकि बड़ा पैक 365 किमी रेंज और 122एचपी आउटपुट प्रदान करता है। साइड प्रोफाइल में सबसे खास अपडेट इसके नए ऐरो-ऑप्टिमाइज्ड अलॉय वील्स हैं, जो नेक्सॉन ईवी से प्रेरित लगते हैं।

कंपनियों द्वारा आईपीओ, क्यूआईपी और राइट्स इश्यू से जुटाई पर सेबी रखेगी नजर

जानकारी छुपाने, बेजा इस्तेमाल पर उठी चिंताओं पर सख्त नियम बनाने पर विचार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) आईपीओ, पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) और राइट्स इश्यू के जरिए कंपनियों द्वारा जुटाई गई रकम पर निगरानी से जुड़े नियम सख्त बनाने पर विचार कर रहा है।

इन माध्यमों से जुटाई गई रकम के इस्तेमाल में देरी, इनकी जानकारी छुपाने और इनके बेजा इस्तेमाल को लेकर उठी चिंताओं के बीच सेबी यह कदम उठाने पर विचार कर रही है। इस मामले से जुड़े लोगों ने इसकी जानकारी दी।

फिलहाल जुटाई गई रकम 100 करोड़ रुपए से ज्यादा होने पर कंपनियों को सेबी के पास पंजीकृत एक निगरानी एजेंसी की सेवाएं लेनी पड़ती है। यह आम तौर पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसी होती हैं। सेबी अब यह सीमा घटाकर 50 करोड़ रुपए करने या पूरी तरह हटाने पर विचार कर रहा है। इस कदम से सेबी का निगरानी का दायरा बढ़ जाएगा खासकर छोटे निर्गम भी इसकी जद में आ जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इस मुद्दे पर सेबी की प्राथमिक बाजार सलाहकार समिति की पिछली महीने हुई बैठक में चर्चा हुई थी। सेबी को इस मामले पर उसकी प्रतिक्रिया जानने के लिए भेजे गए ई-मेल का समाचार लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया था। यही नहीं, नियामक निगरानी रिपोर्टों से जुड़े खुलासा ढांचे में भी बदलाव करने पर विचार कर रहा है। मौजूदा ढांचे के तहत निगरानी एजेंसियां अपनी त्रैमासिक रिपोर्ट कंपनी को देती हैं। इसके बाद कंपनियों को यह रिपोर्ट तिमाही समाप्त होने के 45 दिनों के अंदर स्टॉक एक्सचेंजों को सौंपनी होती है। यह पूरा सिलसिला अक्सर बीच में ही अटक जाता है क्योंकि कंपनियां रिपोर्ट सौंपने में देरी करती हैं या इनकी जानकारी नहीं दे पाती हैं।

नई 7-सीटर निसान ग्रेविटी 17 को लांच करने की तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय कार बाजार में 7-सीटर कारों की भारी डिमांड को देखते हुए निसान ग्रेविटी को कंपनी 17 फरवरी को लॉन्च करने वाली है। यह निसान की पहली 7-सीटर एमपीवी होगी और भारतीय बाजार में कंपनी की नई रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। निसान ग्रेविटे रेनो ट्राइबर के सीएमएफ-ए प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जिससे इसकी कीमत काफी प्रतिस्पर्धी रहने की उम्मीद है। ट्राइबर की शुरुआती कीमत 5.76 लाख रुपये है, और ग्रेविटे भी इसी रेंज में लॉन्च हो सकती है। डिजाइन और रंगों की बात करें तो इसे सिग्नेचर टील शेड के साथ व्हाइट, सिल्वर, ब्लैक और ग्रे विकल्पों में पेश किया जाएगा। पहले जारी किए गए डिजाइन स्केच बताते हैं कि इसमें फ्रंट पर हॉरिजॉन्टल एलईडी डीआरएलएस, क्रोम स्लैट ग्रिल और बोनट पर 'ग्रेविटी' लेटरिंग होगी। पीछे की तरफ स्प्लिट टेल-लैंप और टेलगेट पर हॉरिजॉन्टल इंसर्ट के साथ एक आकर्षक रियर प्रोफाइल मिलेगा। ग्रेविटे में ट्राइबर की तरह 1.0-लीटर पेट्रोल इंजन दिया जाएगा, जिसमें मैनुअल और एएमटी दोनों ट्रांसमिशन विकल्प मिलने की संभावना है।

आरबीआई के सर्वे में खुलासा...आर्थिक भविष्य को लेकर चिंतित शहरी उपभोक्ता

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक के जनवरी 2026 के शहरी उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण से संकेत मिले हैं कि शहरी उपभोक्ताओं का भरोसा भविष्य की आर्थिक परिस्थितियों को लेकर कमजोर हुआ है। आरबीआई के सर्वे के अनुसार, हालांकि मौजूदा हालात को लेकर धारणा करीब स्थिर बनी हुई है, लेकिन अगले एक साल के लिए लोगों की उम्मीदों में स्पष्ट गिरावट दर्ज हुई है।

आरबीआई के ताजा कंज्यूमर कॉन्फिडेंस सर्वे में 'वर्तमान स्थिति सूचकांक' 98.4 से मामूली गिरावट के साथ 98.1 पर आया है। वहीं, एक साल आगे की आर्थिक उम्मीदों को दर्शाने वाला 'भविष्य की अपेक्षा सूचकांक' 2.2 अंकों की गिरावट के साथ 123.4 पर पहुंच गया। यह गिरावट बताती है कि उपभोक्ता आने वाले समय को लेकर ज्यादा सतर्क और चिंतित दिख रहे हैं। सर्वेक्षण के अनुसार, शहरी परिवारों ने आगामी एक वर्ष में सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार के मौके और आय बढ़ने की संभावनाओं को लेकर पहले की तुलना में कम उम्मीद जाहिर की है। खास तौर पर आय में वृद्धि को लेकर उपभोक्ताओं की धारणा कमजोर हुई है, जिससे खर्च करने के फैसलों पर भी असर हो सकता है। महंगाई को लेकर चिंता सर्वे का एक अहम पहलू बनकर सामने आई है। मूल्य स्तरों में संभावित बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं के भविष्य के दृष्टिकोण को प्रभावित किया है। कई उत्तरदाताओं ने माना कि बढ़ती महंगाई उनके घरेलू बजट पर दबाव डाल सकती है, जिससे वे गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करने को मजबूर होना पड़ सकता हैं। हालांकि, वर्तमान स्थिति को लेकर तस्वीर उतनी नकारात्मक नहीं है। मौजूदा समय में रोजगार, आय और खर्च से जुड़ी स्थिति पर उपभोक्ताओं का भरोसा पिछले सर्वेक्षण की तुलना में करीब स्थिर बना हुआ है।

ट्रेड डील को लेकर अमेरिका ने एक फैक्ट शीट में किया दावा

भारत डिजिटल सेवा कर को खत्म कर देगा अन्य बाधाएं भी करेगा दूर!

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के संदर्भ में अमेरिका की ओर से जारी एक फैक्ट शीट के मुताबिक भारत ने द्विपक्षीय डिजिटल व्यापार नियमों पर बातचीत का वादा किया है। इसमें ई-कॉमर्स इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर लगने वाले सीमा शुल्क पर रोक संबंधी नियम भी शामिल हैं। इस फैक्ट शीट को मंगलवार को जारी किया गया था। उसमें यह भी कहा गया है कि भारत डिजिटल सेवा कर को खत्म कर देगा। उसने द्विपक्षीय डिजिटल व्यापार के मजबूत नियमों पर बातचीत करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। ये नियम भेदभावपूर्ण अथवा बोझिल चलन और डिजिटल व्यापार की अन्य बाधाओं को दूर करेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निश्चित तौर पर भारत ने अमेरिका की व्यापार चिंताओं को दूर करने के लिए विदेशी कंपनियों द्वारा प्रदान की जाने वाली ऑनलाइन विज्ञापन सेवाओं पर 6 फीसदी डिजिटल सेवा कर या इक्वलाइजेशन लेवी को 1 अप्रैल से खत्म कर दिया है, लेकिन भारत सरकार के अधिकारियों ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि क्या अमेरिका के बयान का मतलब यह समझा जाए कि भारत ने भविष्य में भी इस तरह का कर न लगाने की प्रतिबद्धता जताई है।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को अंतिम रूप देने के संबंध में एक संयुक्त बयान के बाद अमेरिका की ओर से यह फैक्ट शीट जारी की गई है। उसमें कहा गया है कि रूस से कच्चे तेल की खरीद बंद करने की भारत की प्रतिबद्धता के मद्देनजर उस पर लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ को हटा दिया गया है। भारत पर जवाबी शुल्क को भी घटाकर 18 फीसदी कर दिया जाएगा और इसके जल्द ही लागू होने की उम्मीद है। फिलहाल यह साफ नहीं हो सका है कि भारत वास्तव में इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क हटाने के लिए तैयार है या नहीं, लेकिन अमेरिका का दावा है कि इसके लिए नियम बनाए जाएंगे। व्यापार विशेषज्ञों का कहना है कि भारत अगर अमेरिकी दबाव में झुक जाता है तो विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में इस मुद्दे पर उसकी स्थिति कमजोर हो जाएगी। डब्ल्यूटीओ की एक मोहलत के तहत सीमा पार ई-कॉमर्स लेनदेन पर सीमा शुल्क नहीं लगाया जाता है। डब्ल्यूटीओ के सदस्य देशों ने करीब दो दशक से इस मोहलत को आगे बढ़ाने के लिए समय-समय पर सहमति जताई है, लेकिन इस मुद्दे पर उनकी राय अलग-अलग रही है। भारत जैसे विकासशील देश इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क लगाने के लिए नीतिगत गुंजाइश पर जोर दे रहे हैं। उनका कहना है कि मोरेटोरियम ने उनके राजस्व संग्रह पर प्रतिकूल असर डाला है।

वीवो की नई वीवो वी70 इलाइट और वी70 सीरीज जल्द होगी लांच

नई दिल्ली। चाइनीज कंपनी वीवो अपनी नई वीवो वी70 इलाइट और वी70 सीरीज जल्द लांच करने वाली है। वीवो कंपनी ने घोषणा की है कि दोनों स्मार्टफोन 19 फरवरी 2026 को दोपहर 12 बजे भारत में लॉन्च होंगे। वीवो अपनी वी-सीरीज को कैमरा-केंद्रित और प्रीमियम डिजाइन के लिए जाना जाता है, और इस बार भी कंपनी 120एचझेड रिफ्रेश रेट डिस्प्ले, 6500एमएएच बैटरी और झेसिस-टर्नड कैमरा सिस्टम जैसे शक्तिशाली फीचर्स पेश कर रही है। कंपनी की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार, वीवो वी70 इलाइट और वीवो वी70 दोनों सबसे पतले 1.25 मिमी बेजल के साथ भारतीय बाजार में पेश किए जाएंगे। वीवो वी70 पैशन रेड और लेमन येलो रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा, जबकि वीवो वी70 इलाइट पैशन रेड, सैंड बेज और ऑथेंटिक ब्लैक शेड्स में आएगा। डिजाइन और लुक को लेकर कंपनी पहले ही टीज़र जारी कर चुकी है। फीचर्स की बात करें तो वीवो वी70 इलाइट में क्वालकॉम स्नैपड्रेगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर दिया जाएगा, जबकि वीवो वी70 में स्नैपड्रेगन 7 जेन 4 चिपसेट होगा। मॉडलों में 6.59 इंच का 1.5के डिस्प्ले, 90डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग और 6,500 एमएएच की बड़ी बैटरी दी जाएगी।

हिंदी दैनिक
जनलोक मंथन संदेश
RNI - MPHIN/2017/71673
E-mail-janlokmanthan.sandesh@gmail.com
डाक पंजीयन संख्या म.प्र./भोपाल/4-453/20/22
समाचार का निचोड़

उज्जैन बनेगा मेट्रोपोलिटन सिटी का हिस्सा

सिंहस्थ के लिए हर घर पहुंचेगा पानी, 1133.67 करोड़ की जल परियोजना का हुआ भूमिपूजन

उज्जैन एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के कालिदास अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर 1133.67 करोड़ की लागत से विकसित होने वाली हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमिपूजन एवं 47.23 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रोजेक्ट संवर्धन (मातृ एवं शिशु पोषण) का शुभारंभ भी किया। कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री जी ने जल आवर्धन परियोजना एवं क्षेत्र में जल आपूर्ति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। उन्हीं के मार्गदर्शन में बने महाकाल लोक में उज्जैन को वैश्विक आध्यात्मिक पर्यटन का केन्द्र बनाया है। मोक्षदायिनी शिप्रा मैया की कृपा से उज्जैन अब सिंहस्थ 2028 के लिए तैयार हो रहा है। भगवान महाकाल के आशीर्वाद से सिंहस्थ की तैयारियों के लिए 1133.67 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित किए जा रहे हरियाखेड़ी जल आवर्धन परियोजना का भूमिपूजन हो रहा है। इस परियोजना से सिंहस्थ 2028 के दौरान श्रद्धालुओं और नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। साथ ही शहर के हर घर में लंबे समय तक जल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। सिंहस्थ के लिए उज्जैन के प्रबंधन से पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ेगा।

हमारी सरकार गरीब वर्ग कल्याण में लगी हुई है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर उनको नमन करते हुए कहा कि उनके दिखाए अंत्योदय के मार्ग पर चलते हुए ही हमारी सरकार गरीब से गरीब के कल्याण में लगी हुई है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से ही उज्जैन जिले में प्रोजेक्ट संवर्धन आरंभ किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए उनके सम्मान और सफाई कर्मचारियों को किट वितरण जैसी गतिविधियां प्रतीक स्वरूप आयोजित की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आयुर्वेद का धनवंतरी इंस्टीट्यूट खोला जाएगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के माध्यम से आयुर्वेद की पढ़ाई और चिकित्सा के लिए एक बड़ी सौगात बहुत जल्द मिलने वाली है। उन्होंने ने कहा कि सिंहस्थ: 2028 में पूरी दुनिया के श्रद्धालु उज्जैन आएंगे। राज्य सरकार इसके लिए सभी तैयारियों को समय रहते हुए पूरा कर रही है। उज्जैन बाबा महाकाल और सम्राट विक्रमादित्य की नगरी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सभी बुनियादी सुविधाओं के लिए विकास कार्य हो रहे हैं। क्षिप्रा के घाटों पर सिंहस्थ में आए 5 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकेंगे। रामघाट के पास एक छोटा और एक बड़ा पुल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगले महीने मार्च में उज्जैन में भव्य गीता भवन का लोकार्पण होगा।

राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही| मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े सभी स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित कर रही है। सरकार ने उज्जैन, ओरछा सहित प्रदेश के अन्य धार्मिक स्थानों पर शराबबंदी कर एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के युवाओं और बहनों को रोजगार दिलवाने के लिए रोजगार आधारित उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उज्जैन के पास रेडीमेड गारमेंट की यूनिट शुरू होने पर बहनों को काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आकाशवाणी उज्जैन ने बाबा महाकाल के कार्यक्रमों का प्रसारण किया। यह प्रसन्नता का विषय है कि आकाशवाणी के माध्यम से उज्जैन के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कफ सिरप पीड़ितों को मुआवजे का मामला अटका

संसद में कहा- कोर्ट चाहे तो दोषी कंपनी पर जुर्माने से दिला सकता है मुआवजा

भोपाल एजेंसी

छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से 26 बच्चों की मौत के मामले में मुआवजे को लेकर एक नया तकनीकी विवाद खड़ा हो गया है। राज्यसभा में दिए गए एक लिखित जवाब में केंद्र सरकार ने यह कहकर पल्ला झाड़ लिया है कि कानून के तहत मुआवजा अदालत तय करेगी और वह दोषी कंपनी पर लगने वाले जुर्माने से दिलाया जाएगा।

राज्यसभा सदस्य रणदीप सिंह सुरजेवाला के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम 1940 की धारा 32 ख के तहत यदि मिलावटी दवाओं से मौत होती है, तो न्यायालय दोषी पर जुर्माना लगाएगा और उस राशि से पीड़ितों को मुआवजा देने का आदेश देगा। यानी केंद्र ने अपने स्तर पर किसी भी विशेष मुआवजा कोष की बात नहीं की।

एमपी सरकार की मदद का संसद में जिक्र नहीं– अक्टूबर 2025 में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को ?4 लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया था। छिंदवाड़ा जिला प्रशासन के मुताबिक यह राशि कई परिवारों के खातों में भेज भी दी गई थी। संसद में सरकार ने राज्य सरकार द्वारा दिए गए इस 4 लाख की आर्थिक मदद का कोई जिक्र नहीं किया।

लंबी अदालती प्रक्रिया के बाद मिलेगा कंपनी से मुआवजा

राज्य सरकार ने जो ?4 लाख दिए, वह तात्कालिक आर्थिक सहायता थी। जबकि संसद में जिस मुआवजे की बात हो रही है, वह कानूनी मुआवजा है, जो लंबी अदालती प्रक्रिया के बाद दोषी कंपनी की जेब से निकलेगा।

कोर्ट के फैसले का इंतजार करेंगे पीड़ित

कानूनी प्रावधानः अधिनियम की धारा 32ख के तहत, यदि मिलावटी या नकली दवाओं के सेवन से किसी व्यक्ति की मृत्यु होती है या उसे गंभीर चोट पहुंचती है, तो न्यायालय दोषी पाए गए व्यक्ति/कंपनी पर जुर्माना लगाएगा। जुर्माने से मुआवजा- न्यायालय उसी जुर्माने की राशि से पीड़ित या उसके कानूनी उत्तराधिकारी को मुआवजा देने का आदेश दे सकता है। यानी जब तक अदालत में ट्रायल पूरा नहीं होता और कंपनी दोषी करार देकर उस पर भारी जुर्माना नहीं लगाया जाता, तब तक पीड़ितों को आधिकारिक मुआवजा मिलना मुश्किल है।

निजी कंपनियों के पांच फीसदी से कवर हुआ आधा प्रदेश

आधे प्रदेश के गांवों में नेटवर्क नहीं फिसड्डी साबित हो रहा बीएसएनएल

भोपाल एजेंसी

मध्य प्रदेश में सरकारी और निजी टेलीकॉम सेवाओं के बीच की खाई गहरी होती जा रही है। संसद में पेश सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जहां एक ओर प्रदेश के आधे से ज्यादा गांव अत्याधुनिक 5जी नेटवर्क से जुड़ चुके हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी कंपनी बीएसएनएल अभी भी आधे से ज्यादा प्रदेश में अपनी पहुंच बनाने के लिए संघर्ष कर रही है।

संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, मध्य प्रदेश में बीएसएनएल के नेटवर्क विस्तार की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में काफी पीछे है। मध्य प्रदेश में कुल 54,903 गांव हैं इनमें से केवल 24,394 गांवों को ही बीएसएनएल की सेलुलर सेवाओं से कवर किया जा सका है। नेटवर्क विहीन प्रदेश के लगभग 55.5त्न करीब 30,509 गांव में आज भी बीएसएनएल का सिग्नल नहीं पहुंचता है। उत्तर प्रदेश पूर्व जैसे सर्कल में बीएसएनएल ने 92 फीसदी गांवों को कवर कर लिया है, जबकि एमपी में यह आंकड़ा आधे से भी कम है। संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने बताया कि बीएसएनएल वर्तमान में पूरे देश में 1 लाख स्वदेशी 4 जी टावर लगा रहा है । 15 जनवरी, 2026 तक 97,672 साइटें स्थापित की जा चुकी हैं, जिनमें से 95,511 साइटें ऑन-एयर हो चुकी हैं । खास बात यह है कि ये सभी उपकरण भविष्य में 5जी में अपग्रेड किए जा सकेंगे । बड़ा 5 जी बाजार बन गया है। मध्य प्रदेश के 27,961 गांवों में 5जी नेटवर्क पहुंच चुका है. यानी प्रदेश के 51जी से अधिक गांव अब सुपर-फास्ट इंटरनेट जोन में हैं।

गांवों तक 5जी पहुंचाने में एमपी देश में 6वें नंबर पर

टावरों का जाल- प्रदेश भर में अब तक 22,182 5जी बीटीएस टावर लगाए जा चुके हैं। गांवों तक 5जी पहुंचाने के मामले में मध्य प्रदेश देश के टॉप राज्यों की सूची में छठे स्थान पर है।

बीटीएस टावर- क्या है यह तकनीक?: खबरों में बार-बार आने वाला शब्द बीटीएस वह मुख्य मशीन है जो मोबाइल और नेटवर्क के बीच सिग्नल का आदान-प्रदान करती है। 5त्न के लिए लगाए जा रहे ये नए बीटीएस पुराने टावरों की तुलना में कई गुना ज्यादा डेटा स्पीड और कम विलंबता प्रदान करते हैं, जिससे वीडियो कॉलिंग और गेमिंग जैसे काम बिना रुके होते हैं।

5जी की रफ्तार: आधा मध्य प्रदेश हाई-स्पीड इंटरनेट से लैस: बीएसएनएल की सुस्ती के विपरीत, देश में 5त्न के विस्तार ने प्रदेश में तेज रफ्तार पकड़ी है। भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5 जी बाजार बन गया है। मध्य प्रदेश के 27,961 गांवों में 5जी नेटवर्क पहुंच चुका है. यानी प्रदेश के 51 फीसदी से अधिक गांव अब सुपर-फास्ट इंटरनेट जोन में हैं।

बीटीएस टावर: क्या है यह तकनीक: खबरों में बार-बार आने वाला शब्द बीटीएस वह मुख्य मशीन है जो मोबाइल और नेटवर्क के बीच सिग्नल का आदान-प्रदान करती है। 5त्न के लिए लगाए जा रहे ये नए बीटीएस पुराने टावरों की तुलना में कई गुना ज्यादा डेटा स्पीड और कम विलंबता प्रदान करते हैं, जिससे वीडियो कॉलिंग और गेमिंग जैसे काम बिना रुके होते हैं।

मप्र-छग सर्किल में किस कंपनी के पास कितने यूजर्स: मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ सर्किल में कुल मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या लगभग 7.98 करोड़ के पार पहुंच गई है। मार्केट शेयर के हिसाब से रिलायंस जियो का दबदबा बरकरार है।

55 कलेक्टर, 16 निगमायुक्त, 12 संभागायुक्त कल भोपाल में-

जनगणना की तैयारियों के लिए लेंगे ट्रेनिंग

भोपाल एजेंसी

प्रदेश के सभी 55 जिलों के कलेक्टर, सभी 12 संभागों के आयुक्तों और 16 नगर निगमों के कमिश्नर शुक्रवार को भोपाल में रहेंगे। एक मई से शुरू होने वाली मकानों की गणना के अंतर्गत इन अधिकारियों को जनगणना के प्रशिक्षण के लिए भोपाल बुलाया गया है। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की मौजूदगी में होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। गृह विभाग के सचिव और राज्य नोडल अधिकारी जनगणना अभिषेक सिंह ने इसको लेकर सभी कलेक्टरों, संभागीय आयुक्तों, नगर निगम आयुक्तों को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि जनगणना 2027 के पहले चरण के लिए 13 फरवरी को प्रशिक्षण दिया जाना है। इसका पहला चरण मकान गणना के रूप में इसी साल एक मई से शुरू होने वाला है। इसके लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण में दी जाएगी ये जानकारी– जनगणना 2027 के लिए तय नीति के अंतर्गत कितने दिन में जनगणना होना है, क्या प्रोसेस होगी, क्या सवाल होंगे और डिजिटल टूल्स कैसे इस्तेमाल करने हैं।

जनगणना अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर क्या प्रक्रिया होगी, ट्रेनिंग, फंड वितरण, उपयोगिता प्रमाण पत्र, अलग-अलग इकाइयों की जनगणना में उपयोगिता बताई जाएगी।

फील्ड एक्टिविटीज के दौरान किस तरह के चैलेंज सामने आएंगे और कैसे काम करना है?

मोबाइल एप्स, सीएमएमएस, एचएलबीसी जैसे डिजिटल टूल्स की वर्किंग, मॉनिटरिंग की जानकारी दी जाएगी।

सितम्बर 2025 से रिक्त है जनगणना निदेशक का पद

मध्यप्रदेश में जनगणना निदेशक का पद 30 सितम्बर 2025 के बाद से रिक्त है। तीस सितम्बर को यहां जनगणना निदेशक के रूप में काम कर रहीं भावना वालिम्बे रिटायर हो गई हैं। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकार इस पद पर किसी अधिकारी की तैनाती नहीं कर सके हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इस साल होने वाली जनगणना को लेकर मकानों की गणना के लिए तारीख के बाद अब प्रश्नावली और प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी ऐलान कर दिया है। अभी एमपी के

भोपाल में एथलेटिक्स प्रतियोगिता आज से

भोपाल। केन्द्रीय क्रीडा एवं कला परिषद, एम.पी. पॉवर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड जबलपुर के तत्वावधान में 47वीं अंतरक्षेत्रीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत वर्ष 2025-26 में विभिन्न अंतरक्षेत्रीय खेल एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन राजधानी भोपाल में किया जा रहा है। दो दिवसीय अंतरक्षेत्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 12 एवं 13 फरवरी को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) बीएचईएल भोपाल में आयोजित होगी। इसके लिए महाप्रबंधक (संचारण/संधारण) भोपाल को प्रभारी अधिकरी नियुक्त किया गया है।

ग्वालियर शहर में 1.87 लाख स्मार्ट मीटर लगाने का लक्ष्य है,

अब तक सिर्फ 23 हजार ही लगा सकी कंपनी, उत्तर में शुरू नहीं हो पाई प्रक्रिया

ग्वालियर एजेंसी

ग्वालियर शहर के तीन नगर संभाग दक्षिण, पूर्व और सेंट्रल में कुल एक लाख 87 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। लेकिन अब तक महज 23 हजार स्मार्ट मीटर ही लगाए जा सके हैं। नगर संभाग उत्तर में स्मार्ट मीटर लगाए जाने की प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है।

तीन नगर संभाग में धीमी प्रगति को देखते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर लगाने की रफ्तार बढ़ाने के लिए स्मार्ट मीटर पखवाड़ा शुरू किया है। यह पखवाड़ा नौ फरवरी से शुरू हुआ है जो 23 फरवरी तक चलेगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो नगर संभाग दक्षिण में जहां 27 हजार स्मार्ट मीटर लगाए जाने हैं, वहां अब तक 15 हजार मीटर ही लगे हैं। वहीं नगर संभाग पूर्व में एक लाख स्मार्ट मीटर के लक्ष्य के मुकाबले सिर्फ तीन हजार मीटर ही लगाए जा सके हैं। इसी तरह नगर संभाग सेंट्रल में 60 हजार के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक पांच हजार स्मार्ट मीटर ही स्थापित हुए हैं। इससे साफ है कि स्मार्ट मीटर योजना अभी लक्ष्य से काफी पीछे चल रही है।

उपभोक्ता जागरूकता पर जोर, घर-घर चल रहा अभियान

स्मार्ट मीटर पखवाड़ा के दौरान कंपनी द्वारा उपभोक्ता जागरूकता को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर के लाभों की जानकारी देने के साथ-साथ उनकी शंकाओं और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया जा रहा है। गांवों और शहर के मोहल्लों में घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर के फायदे बताए जा रहे हैं।

सिंहस्थ की भीड़ नियत्रित होगी एआई तकनीक से

कंपनी ने मप्र सरकार को भेजा प्रस्ताव 1200 करोड़ रुपए का होगा निवेश

इंदौर। प्रदेश में हुई इन्वेस्टर्स समिट के परिणाम अब सामने आने लगे हैं। तीन कोरियाई कंपनियों के साथ इसीडीएस कंपनी ने प्रदेश में 1265 करोड़ के निवेश की योजना सरकार को प्रस्तुत की है। कंपनी एआई के माध्यम से सिंहस्थ मेले में क्राउड मैनेजमेंट करना चाहती है। इसका प्रस्ताव सरकार को भेजा गया है। इसके अलावा उज्जैन में पहले चरण में कंपनी ने 287 करोड़ का निवेश कर एक यूनिट का निर्माण किया है, जहां प्लास्टिक की निर्भरता कम करने के लिए बायोमास सेल्यूलोज क्रास लिंक्ड तकनीक से नए उत्पाद बनाए जाएंगे। ये पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं होंगे। कंपनी के राजेश भारद्वाज ने बताया कि सिंहस्थ मेले में पहले की तुलना में ज्यादा भीड़ आएगी। इस बार मेले में तकनीक का प्रयोग भी किया जाएगा। हम एआई के माध्यम से भीड़ नियंत्रित करने और उसकी संख्या का सटीक आंकड़ा सरकार को देंगे। हमारे पास इसकी उन्नत तकनीक है। कोरिया की कंपनी इसमें हमारी मदद करेगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में छह सेगमेंट में हम निवेश करेंगे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अलावा एविएशन स्किल डेवलपमेंट में भी हमारा निवेश होगा।

ब्रिफ न्यूज़

एमपी में सरकार ने इंटीग्रेटेड टाउनशिप के नियम जारी किए

भोपाल-इंदौर जैसे शहरों पर राज्य स्तरीय समिति लेगी फैसला

भोपाल एजेंसी

राज्य शासन ने मध्य प्रदेश एकीकृत टाउनशिप नियम 2026 जारी कर दिए हैं। नए नियमों के तहत इंटीग्रेटेड टाउनशिप विकसित करने वाले डेवलपर को नगर एवं ग्राम निवेश विभाग में पंजीयन कराना होगा और प्रस्तावित परियोजना के लिए कम से कम 80 प्रतिशत भूमि का स्वामित्व हासिल करना अनिवार्य होगा। पांच लाख से अधिक आबादी वाले भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में टाउनशिप प्रस्तावों पर निर्णय शासन स्तर की समिति करेगी। पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों में कलेक्टर की अध्यक्षता में साधिकार समिति अनुमोदन देगी।

10 से 20 हेक्टेयर न्यूनतम भूमि की शर्त– नयमों के अनुसार पांच लाख से कम जनसंख्या वाले नगरों में एकीकृत टाउनशिप के लिए न्यूनतम 10 हेक्टेयर भूमि आवश्यक होगी। पांच लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में यह सीमा 20 हेक्टेयर तय की गई है। स्थानीय निकाय सीमा या योजना क्षेत्र में 40 हेक्टेयर या अधिक क्षेत्रफल वाली परियोजनाओं के लिए कम से कम 30 मीटर चौड़ी सड़क अनिवार्य होगी। बड़े शहरों में विकास योजना सड़क की चौड़ाई 24 मीटर निर्धारित की गई है।

66 वर्गमीटर तक अफोर्डेबल आवास का प्रावधान– नियमों में अफोर्डेबल हाउसिंग के तहत अधिकतम 66 वर्गमीटर तक के आवास निर्माण की अनुमति दी गई है। परियोजना स्थल एक ही स्थान पर होना चाहिए। केवल राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग या प्रमुख जिला मार्ग से विभाजित स्थिति में छूट रहेगी। डेवलपर के पंजीयन के लिए संचालक नगर एवं ग्राम निवेश को पंजीयन अधिकारी बनाया गया है। आवेदन ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। 15 दिन के भीतर आवेदन स्वीकृत या निरस्त किया जाएगा। निरस्तीकरण की स्थिति में 20 प्रतिशत कटौती के बाद शुल्क वापस होगा।

पंजीयन शुल्क 50 हजार, नवीनीकरण 25 हजार

पंजीयन शुल्क 50 हजार रुपए और नवीनीकरण शुल्क 25 हजार रुपए तय किया गया है। पंजीयन पूरे राज्य में मान्य रहेगा। डेवलपर को शपथ पत्र देना होगा कि वह किसी आपराधिक मामले में दोषी नहीं है। पांच लाख से अधिक जनसंख्या वाले जिलों में नगरीय विकास एवं आवास विभाग के सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित होगी। इसमें संबंधित विभागों के प्रमुख अधिकारी सदस्य होंगे। अन्य जिलों में कलेक्टर अध्यक्ष होंगे और संबंधित स्थानीय अधिकारी सदस्य रहेंगे। संचालनालय नोडल एजेंसी होगा, जबकि अन्य में संयुक्त संचालक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक ताराचंद मालवीय द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स 119 इनारा हाउस, रायसेन रोड,पुल बोगदा, भोपाल 462023 (म.प्र.) से मुद्रित एवं ब्यूरो प्रधान कार्यालय : ए-60, सेठी नगर, दुर्गा मंदिर के पास न्यू अशोका गार्डन भोपाल (म. प्र.),भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक लक्ष्मी नारायण सह संपादक लखन गुरू सलाहकार संपादक :भूपेंद निगम (सभी प्रकार के विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा) । संपर्क नंबर 8871760319, 0755 4928781